लखनऊ

गुरुवार 10 जुलाई 2025

वर्ष : 10 । अंक: 353

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

अंधकार से अंधकार को दूर नहीं किया जा सकता है, केवल प्रकाश से ही ऐसा किया जा सकता है, नफरत से नफरत को नहीं हटाया जा सकता है, केवल प्यार से ही ऐसा किया जा सकता है। - मार्टिन लूथर किंग, जूनियर

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
37°	26°
Hi	Low

संक्षेप

सीडीएस अनिल चौहान ने दी बड़ी चेतावनी, चीन-पाकिस्तान और बांग्लादेश का साथ आना भारत के लिए खतरनाक

नई दिल्ली। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की बढ़ती करीबीयों को लेकर बड़ा बयान जारी किया है। ष्टष्ठस अनिल चौहान ने कहा कि इन देशों का अपने हितों को लेकर एक-दूसरे के प्रति झुकाव से भारत की स्थिरता और सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव देखने को मिल सकता है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने एक थिंक टैंक को संबोधित करते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 से 10 मई के बीच हुए सैन्य संघर्ष का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि शायद यह पहली बार हुआ है जब दो परमाणु हथियार से संपन्न देश सीधे तौर पर संघर्ष में शामिल हुए हैं। उन्होंने पाकिस्तान और चीन के गठजोड़ और भारत के प्रति समान हित का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने बीते 5 साल में अपने 70 से 80 फीसदी हथियार और उनकरणों को चीन से ही हासिल किया है। चीन की सैन्य कंपनियों की पाकिस्तान में वाणिज्यिक देनदारियां भी हैं। सीडीएस ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र के देशों में आर्थिक संकट ने 'बाहरी शक्तियों को अपना प्रभाव बढ़ाने का मौका दे दिया है। इस कारण भारत के लिए कमजोरियां पैदा हो सकती हैं। सीडीएस ने आगे कहा- "चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच हितों में संभावित समानता है और इसका भारत की स्थिरता एवं सुरक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है।

)गुरु पूर्णिमा का महापर्व गुरुवार के दिन, अज्ञानता से ज्ञान की ओर ले जाने वाले गुरुओं को नमन

नई दिल्ली । आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि गुरुवार को पड़ रही है, इस दिन शिष्य अपने गुरु और मार्गदर्शक की पूजा करते हैं, जिनसे उन्हें शैक्षिक और आध्यात्मिक ज्ञान मिला है। शास्त्रों में गुरु का स्थान देवताओं से भी ऊपर बताया गया है, क्योंकि गुरु अपने शिष्य को जीवन में सफलता पाने का और परमात्मा की प्राप्ति का मार्ग बताते हैं। गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः।। इस श्लोक का अर्थ है कि गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही शिव हैं। गुरु साक्षात परब्रह्म हैं, गुरु को हम प्रणाम करते हैं। गुरु शब्द में 'गुरु' का अर्थ है अंधकार और 'गुरु' का अर्थ है नाश करने वाला, यानी जो अज्ञान के अंधकार का नाश करता है और ज्ञान का प्रकाश देता है, वही गुरु है। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को वेद व्यास जी का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इस दिन को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाते हैं। उन्होंने वेदों का संपादन किया, 18 पुराण, महाभारत और श्रीमद् भगवद् गीता की रचना की। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने से आपको हर तरह के पाप से मुक्ति मिलती है और महापुण्य की प्राप्ति होती है। इस दिन गुरुओं का सम्मान करने के साथ-साथ उन्हें गुरु दक्षिणा भी दी जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन गुरु और बड़ों का सम्मान करना चाहिए। जीवन में मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त करना चाहिए, गुरु पूर्णिमा पर व्रत, दान और पूजा का भी महत्व है।

वडोदरा-आणंद को जोड़ने वाला ब्रिज टूटा, 9 लोगों की मौत, कई वाहन नदी में गिरे

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा से एक बुरी खबर सामने आ रही है। वडोदरा और आणंद को जोड़ने वाला गंभीरा पुल भी नदी में ढह गया। हादसे के वक्त पुल पर कई वाहन मौजूद थे, जो पुल के साथ ही नदी में बह गए। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

पुल ढहने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जानकारी के अनुसार, पुल पर मौजूद 4-5 गाड़ियां नदी में बह गईं। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई और कई लोग बुरी तरह से घायल हैं। पहले मृतकों का आंकड़ा सिर्फ 2 था, लेकिन अब यह बढ़कर 9 हो गया है।

पीएम मोदी ने की मुआवजे की घोषणा

गुजरात में पुल गिरने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जाहिर किया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने कहा, ₹वडोदरा में पुल गिरने से कई जानें चली गईं। इस घटना से बेहद दुखी हूं। मृतकों के परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। घायलों के जल्द स्वास्थ्य होने की उम्मीद करता हूं।₹ इसी के साथ पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है।

9 शव बरामद

वडोदरा के कलेक्टर अनिल धमेलिया ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन आज सुबह ही शुरू हो गया था। स्थानीय तैराकों के साथ नगरपालिका की टीम फौरन मौके पर पहुंची। अभी तक 9 शव बरामद किए जा चुके हैं। इस हादसे में 5 लोग घायल थे और कुछ देर पहले एक और घायल शख्स मिला है, जिसे इलाज के लिए भेज दिया गया है।

9 की मौत, 6 घायल

गंभीरा पुल महिसागर नदी पर बना था, जो वडोदरा और आणंद को आपस में जोड़ता था। हालांकि, आज सुबह गंभीरा पुल अचानक से टूटकर नदी में गिर गया। स्थानीय पुलिस और दमकल कर्मियों को इसकी सूचना दी गई। दमकल कर्मियों ने फौरन रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते हुए 6 लोगों की जान बचा ली। हालांकि, इस हादसे में 9 लोगों की जान चली गई।

दोनों तरफ लगा लंबा जाम

पुल टूट जाने की वजह से वडोदरा और आणंद के बीच संपर्क प्रभावित हुआ है। दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतार लगी है। पुलिस ने यातायात को डायवर्ट कर दिया है। यह पुल टूटने से लोगों की आवाजाही पर बड़ा असर पड़ेगा। अब लोगों को वडोदरा से आणंद या आणंद से वडोदरा जाने के लिए 40 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा।

कांग्रेस नेता ने उठाए सवाल

गुजरात विधानसभा में विपक्ष के नेता अमित चावड़ा ने भी गंभीरा पुल के टूटने का वीडियो शेयर किया है। उन्होंने इसे लेकर प्रशासन पर सवाल खड़े किए हैं। गंभीरा पुल लंबे समय से खराब अवस्था में था। इसे लेकर प्रशासन से कई शिकायतें की गईं, मगर उनपर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

हादसे की जांच शुरू

गुजरात सरकार ने मेडिकल समेत इंजीनियरों की टीमें भी भेजीं हैं। हादसे की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। इसकी जांच की जा रही है।

बिहार में 'बंद' का व्यापक असर: ट्रेन-हाईवे जाम

राहुल-तेजस्वी भी होंगे आंदोलन में शामिल

पटना, एजेंसी। बिहार में महागठबंधन की हड़ताल का सुबह-सुबह ही व्यापक असर दिखाई दे रहा है। बुधवार को राज्य के अलग-अलग इलाकों में महागठबंधन के कार्यकर्ताओं ने वाहनों के चक्का जाम कर दिए। कई जगह ट्रेनों को भी रोक दिया गया तो कुछ जगह हाईवे बंद कर दिए गए। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राजद के नेता तेजस्वी यादव भी 'बंद' में हिस्सा लेंगे, जिससे बिहार में हंगामा और बढ़ने की संभावना है।

बिहार में कई दिनों से मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण पर सियासी हंगामा मचा है। विपक्षी दलों का आरोप है कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के जरिए दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों और गरीब-मजदूरों के वोट काटने की साजिश की जा रही है। विपक्ष ने इसे 'वोटबंदी' बताते हुए विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है।

'बिहार बंद' में कांग्रेस और राजद के अलावा महागठबंधन में शामिल अन्य दल हिस्सा ले रहे हैं। 'बंद' के दौरान चुनाव आयोग के फैसले का विरोध किया जा रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बुधवार को पटना में आंदोलन का नेतृत्व करेंगे।

तेजस्वी यादव ने बिहार की जनता से विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, बिहार बंद और चक्काजाम में शामिल होइए और लोकतंत्र को बचाइए। गरीबों, पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को वोटर लिस्ट से बाहर करने की चुनाव आयोग और भाजपा की साजिश को हम कामयाब नहीं होने देंगे। आज नहीं जागे तो कल वोट देने का अधिकार भी छिन जाएगा।

हालांकि राज्य के अलग-अलग इलाकों में बुधवार को सुबह-सुबह आंदोलन का असर दिखाई पड़ा है। भोजपुर के बिहिया में पूर्व विधायक दिनेश ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर प्रदर्शन किया। सैकड़ों समर्थकों ने श्रमजीवी एक्सप्रेस और विभूति एक्सप्रेस ट्रेन को रोककर नारेबाजी की।

इसी तरह राजद कार्यकर्ताओं ने दरभंगा जंक्शन पर 'नमो भारत' ट्रेन का चक्का जाम कर दिया। राजद नेता प्रेमचंद्र उर्फ भोलू यादव ने कहा कि केंद्र की सरकार चुनाव आयोग पर दबाव बनाकर पुनरीक्षण कार्य करवा रही है।

जहानाबाद में राजद की छात्र इकाई ने विरोध प्रदर्शन किया है। जहानाबाद रेलवे स्टेशन पर सैकड़ों कार्यकर्ता पहुंचे और ट्रेन को रोक दिया। राजद समर्थकों ने जहानाबाद में रेलवे ट्रैक के अलावा नेशनल हाईवे- 83 को भी जाम कर दिया।

महाराष्ट्र में जनादेश छीना, अब बिहार की बारी, तरीका नया साजिश पुरानी : राहुल गांधी

पटना, एजेंसी। बिहार में विशेष मतदाता पुनरीक्षण के खिलाफ राजनीति अपने चरम पर है। बिहार विधानसभा चुनाव के ठीक पहले मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण के खिलाफ संपूर्ण विपक्ष जहां चुनाव आयोग के खिलाफ आग बबूला है तो वहीं भाजपा को लेकर भी उसके हमलावर तेवर लगातार जारी है। चुनाव आयोग के मतदाता पुनरीक्षण के खिलाफ बुधवार को बिहार चक्का जाम किया गया।

इस कार्यक्रम के लिए पटना में महागठबंधन दल के सभी घटक दल के बड़े नेताओं का जुटान हुआ। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आयोजन में शामिल हुए। विपक्ष के सभी नेताओं ने आयकर गोलंबर से निर्वाचन आयोग कार्यालय तक मार्च किया इस दौरान किन नेताओं ने चुनाव आयोग और भाजपा सरकार पर जोरदार हमला भी बोला।

राहुल गांधी ने राजद, कांग्रेस, वाम दल और वीआइपी नेताओं कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और कहा, महाराष्ट्र के बाद अब बिहार में चुनाव आयोग हमारे मतदाताओं की चोरी कर रहा है। पहले इन्होंने महाराष्ट्र में जनादेश छीना अब बिहार की बारी है। इनका तरीका नया है मगर साजिश पुरानी है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि बिहार चुनाव को महाराष्ट्र के तरह ही चोरी करने की कोशिश की जा रही है। गरीबों के हक को छीनने की साजिश रची जा रही है। लेकिन हम लोग ऐसा होने नहीं देंगे। जनता का भविष्य बर्बाद नहीं होने देंगे। महागठबंधन बिहार की जनता के साथ खड़ा है।

बिहार में भाजपा सरकार बनाने के लिए काम कर रहा चुनाव आयोग : एसटी हसन

आर्यावर्त क्रांति

मुरादाबाद। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची संशोधन का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व सांसद एसटी हसन की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने चुनाव आयोग की तुलना भाजपा कार्यकर्ता से करते हुए कहा कि इलेक्शन कमीशन भाजपा सरकार बनाने के लिए काम कर रही है।

बिहार में मतदाता सूची संशोधन पर सपा नेता एसटी हसन ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, चुनाव आयोग सरकार के लिए काम कर रहा है। वे एक महीने के अंदर पूरा संशोधन कर देंगे। इसमें खास बात यह है कि हमारा आधार कार्ड, जिसकी हर जगह मांग होती है, यहां उसे स्वीकार नहीं किया जाता। आधार देखकर जो चीजें बनती हैं, वही मान्य हैं। यह कैसा न्याय है?

उन्होंने आगे कहा, आधार कार्ड को देखकर ही बाकी दस्तावेज बनते हैं, जैसे पासपोर्ट और राशन कार्ड समेत अन्य दस्तावेज, वो मान्य हैं। आधार कार्ड के अलावा जो लोग अपना जन्म प्रमाण पत्र देंगे और बताएंगे कि हम हिंदुस्तान में जन्मे हैं, उनमें से कितने गरीब लोग हैं, जिनके पास जन्म प्रमाण पत्र भी नहीं है? ऐसे में उन्हें खुद का नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने के लिए अपने साथ-साथ अपने माता-पिता का भी जन्म प्रमाण पत्र देना होगा। मैं मानता हूं कि इलेक्शन कमीशन बिहार में भाजपा सरकार बनाने के लिए काम कर रहा है।

मतदाता सूची की जांच के आदेश से राहुल और तेजस्वी की उड़ी नींद : केशव प्रसाद

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट मामले में घमासान मचा हुआ है। इसी मामले को लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची की जांच के संवैधानिक आदेश से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की नींद उड़ गई है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि 'इंडी ठगबंधन' की बिहार बंद की घोषणा से साफ है विपक्ष की बौखलाहट चरम पर है। 'चोर की दाढ़ी में तिनका' और 'चोर मचाए शोर' ये कहावतें आज पूरी तरह चरितार्थ हो गई हैं। बिहार चुनाव में ठगबंधन को जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है। एनडीए की जीत और इंडी ठगबंधन की हार तय है।

उन्होंने आगे लिखा कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची की जांच के संवैधानिक आदेश से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की नींद उड़ गई है। संविधान विरोधी गतिविधियों के जरिए बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का अपमान किया जा रहा है, जिसे बिहार की जनता कतई सहन नहीं करेगी। अफ़वाह और दुष्प्रचार से अब कुछ हासिल नहीं होगा। ज्ञात हो कि बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर सियासी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसको लेकर बिहार में विपक्षी दलों ने मोर्चा खोल रखा है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश में मारे गए 19 लोगों का सरकार ने किया अंतिम संस्कार, क्या थी वजह

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद में 12 जून को हुए देश के सबसे भयानक विमान हादसों में से एक के लगभग एक महीने बाद, सरकार ने 19 पीड़ितों के उन अवशेषों का अंतिम संस्कार किया है जो दुर्घटनास्थल से बाद में बरामद हुए थे। यह भावुक और संवेदनशील प्रक्रिया मृतकों के परिजनों की सहमति के बाद पूरी की गई।

12 जून को हुए इस हादसे में 270 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। प्रारंभिक जांच और डीएनए टेस्ट के बाद अधिकांश शव परिजनों को सौंप दिए गए थे। हालांकि, बाद में जब प्रशासन ने दुर्घटनास्थल का विस्तृत सर्वेक्षण किया, तो कई मानव अवशेष बरामद हुए। इन अवशेषों की पहचान के लिए फिर से डीएनए मैपिंग की प्रक्रिया अपनाई गई।

गुजरात स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि डीएनए प्रोफाइलिंग के माध्यम से 26 मृतकों के अवशेषों की पहचान की गई। इसके बाद प्रशासन ने इन सभी 26 मृतकों के परिजनों से संपर्क साधा। सूचना मिलने पर 7 पीड़ित परिवारों ने आकर अपने प्रियजनों के अवशेषों को प्राप्त किया, ताकि वे स्वयं अंतिम संस्कार कर सकें।

वहीं, शेष 19 परिवारों ने सरकार को ही अंतिम संस्कार करने के लिए अपनी अनुमति दे दी। इन परिवारों की सहमति मिलने के बाद, प्रशासन ने पूरी गरिमा और सम्मान के साथ अंतिम क्रिया को संपन्न कराया।

सीबीआई को बड़ी सफलता : 23 साल से फरार मोनिका कपूर का अमेरिका से प्रत्यर्पण

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को करीब 23 साल पुराने मामले में फरार मोनिका कपूर को अमेरिका से भारत लाने में बड़ी सफलता हासिल हुई है। सीबीआई टीम आयात-निर्यात घोटाले में आरोपी मोनिका को अमेरिका से भारत ला रही है।

सीबीआई पिछले दो दशक से मोनिका कपूर की तलाश कर रही थी। इस प्रत्यर्पण के बाद अब उसकी तलाश भी खत्म हो गई है। सीबीआई ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, दो दशक लंबे प्रयास के बाद आयात-निर्यात घोटाले में वांछित आरोपी मोनिका कपूर को अमेरिका से सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित कर लिया गया है।

जांच एजेंसी सीबीआई के मुताबिक, मोनिका ओवरसीज की मालकिन मोनिका कपूर ने अपने

भाइयों राजन खन्ना और राजीव खन्ना के साथ मिलकर फर्जीवाड़े की प्लानिंग की थी। फर्जी शिपिंग बिल, चालान और बैंक प्रमाणपत्र बनाकर एक बड़ी आयात-निर्यात धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया। उसने फर्जी दस्तावेजों के जरिए 6 रिप्लेनिशमेंट लाइसेंस हासिल किए, जिससे उसे 2.36 करोड़ रुपए मूल्य के ड्यूटी-फ्री सोने को आयात करने की अनुमति मिली। सीबीआई की प्रेस विज्ञप्ति में उल्लेख किया गया है कि इन लाइसेंसों को प्रीमियम पर अहमदाबाद की एक फर्म 'दीप एक्सपोर्ट्स' को बेच दिया गया था। 'दीप एक्सपोर्ट्स' ने उनका इस्तेमाल कर ड्यूटी-फ्री गोल्ड मंगाया। इससे साल 1998 में सरकारी खजाने को 1.44 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

सीबीआई ने इस मामले की जांच पूरी कर 31 मार्च 2004 को मोनिका कपूर, राजन खन्ना और राजीव खन्ना के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। इसके बाद साकेत कोर्ट ने 20 दिसंबर 2017 को राजन और राजीव खन्ना को दोषी ठहराया।

हालांकि, इस बीच मोनिका कपूर जांच और सुनवाई में शामिल नहीं हुईं। इसके चलते 13 फरवरी 2006 को अदालत ने मोनिका को भगोड़ा घोषित कर दिया। 26 अप्रैल 2010 को मोनिका के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट और इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया।

सीबीआई के मुताबिक, 19 अक्टूबर 2010 को अमेरिकी अधिकारियों से प्रत्यर्पण का अनुरोध किया गया। इसी तरह कई सालों तक अमेरिकी अधिकारियों के साथ कॉर्डिनेशन और कानूनी प्रक्रिया का पालन करने के बाद सीबीआई की एक टीम हाल ही में अमेरिका गई, जिसने मोनिका कपूर को हिरासत में लिया। फिलहाल सीबीआई की टीम मोनिका कपूर को लेकर भारत लौट रही है। सीबीआई ने कहा कि मोनिका कपूर को संबंधित अदालत में पेश किया जाएगा और उसके खिलाफ मुकदमा चलेगा।

खुद को आईपीएस बताकर लोगों को ठगने वाला शातिर ठग गिरफ्तार, नकली आधार कार्ड भी बरामद

मुंबई, एजेंसी। मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट 2 ने एक ऐसे जालसाज को गिरफ्तार किया है, जो खुद को सीनियर आईपीएस अधिकारी बताकर लोगों को ठगता था। आरोपी की पहचान संदीप नारायण गोसावी उर्फ संदीप कार्णिक उर्फ दिनेश बोदुलाल दीक्षित के रूप में हुई है। उसे 8 जुलाई को आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया।

आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 204, 318(1)(4), 319(1), 316(2), और 337 के तहत केस दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कबूल किया कि वह कई बार अलग-अलग नामों और पहचान के साथ लोगों को ठग चुका है।

पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी किया गया मोबाइल फोन और एक नकली आधार कार्ड भी बरामद किया, जिस पर आरोपी की फोटो और फर्जी नाम दिनेश बोदुलाल दीक्षित लिखा था। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उसे 11 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपी ने कितने और लोगों को ठगा है, उसके कोई साथी थे या नहीं, और फर्जी दस्तावेज कैसे तैयार किए गए। आगे की जांच जारी है। शिकायतकर्ता नाजिम कासिम ने बताया कि करीब एक साल पहले उनकी मुलाकात एक व्यक्ति से हुई, जिसने खुद को सीनियर आईपीएस अधिकारी बताया और अपना नाम संदीप कार्णिक बताया। वह अक्सर नाजिम की दुकान पर आता था और दावा करता था कि मुंबई पुलिस कमिश्नर ऑफिस के कई अफसर उसे जानते हैं। इससे नाजिम का उस पर विश्वास बढ़ गया। 5 जून को आरोपी ने नाजिम से कहा कि वह नागपुर में अपनी कार में मोबाइल फोन भूल आया है और अस्थायी रूप से इस्तेमाल के लिए एक फोन मांगा। भरोसे में आकर नाजिम ने उसे अपना पुराना फोन दे दिया, लेकिन बाद में जब नाजिम ने अपना फोन वापस मांगा तो आरोपी ने बहाने बनाने शुरू कर दिए और धीरे-धीरे बातचीत बंद कर दी। आरोपी ने यह भी वादा किया था कि वह फोन के बदले 14 हजार रुपये देगा, लेकिन उसने वह पैसा भी नहीं लौटाया। नाजिम को शक हुआ और जब उसने खुद जानकारी इक_ा की, तो पता चला कि वह व्यक्ति असली पुलिस अधिकारी नहीं है और उसने इस तरह से और भी लोगों को ठगा है।

बदायूं रोडवेज बस स्टेशन पर ओआरएस कार्नर का शुभारम्भ

डायरिया के प्रति जन जागरूकता में बनेगा मददगार

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। जनपद में आगामी 31 जुलाई तक चलने वाले डायरिया रोको अभियान के अंतर्गत रोडवेज बस स्टेशन परिसर में स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में ओआरएस कार्नर की स्थापना की गयी है, जिसका उद्घाटन बुधवार को केंद्र प्रभारी रोडवेज बस स्टैंड बदायूं असद कदीर ने किया।

इस मौके पर केंद्र प्रभारी असद कदीर ने कहा कि भीषण गर्मी और बारिश के दौरान डायरिया के मामले बढ़ जाते हैं। डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि तक लेना बहुत जरूरी होता है। इसके प्रति जागरूकता के लिए जिले में 16 जून से 31 जुलाई तक डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के तहत सहयोग प्रदान कर रहे हैं। अभियान की इस साल की थीम- "डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान" तय की गयी है। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है।

उन्होंने कहा कि अभियान के प्रभावी संचालन एवं अधिक से अधिक जनसामान्य तक स्वास्थ्य सन्देश पहुंचाने के लिए प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर ओआरएस व जिंक कार्नर स्थापित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बस स्टेशन परिसर के प्रमुख स्थान पर यह कार्नर स्थापित किया गया है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस बारे में जागरूक हो सकें।

इस मौके पर राजीव सक्सेना, एआरएम राजेश पाठक, विपुल पाराशरी (डिपो प्रभारी) तथा पीएसआई इंडिया से शशांक दुबे और दानिश आदि उपस्थित रहे।

पत्नी से परेशान होकर इच्छामृत्यु की मांग करने वाले युवक ने खाया जहर, अस्पताल में भर्ती

आर्यावर्त संवाददाता

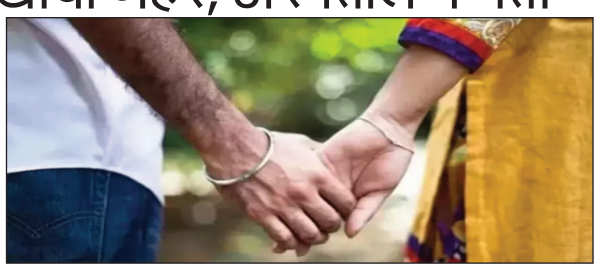

मुजफ्फरनगर। पत्नी की प्रताड़ना से परेशान होकर इच्छामृत्यु की मांग करने वाले युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। देर रात हालत बिगड़ने पर युवक को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। दो दिन पहले ही युवक डीएम कार्यालय पर इच्छा मृत्यु की मांग करने पहुंचा था।

नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के गांधीनगर निवासी सुमित सैनी पुत्र रामकुमार सैनी से देर रात जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। अपने कमरे में बदहवास हालत में पड़े मिलने पर स्वजन सुमित को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे।

युवक के भाई अमित सैनी से बताया कि रात लगभग 10 बजे से सुमित अपने कमरे में ही था, जिसे खाना खाने के लिए आवाज दी तो वह नहीं नहीं बोला। वह लोग कमरे में पहुंचे तो सुमित बेहोश पड़ा था। जिसे तुरंत ही अस्पताल लेकर पहुंचे।

बता दें कि सोमवार को सुमित ने कलक्ट्रेट में पहुंचकर राष्ट्रपति से इच्छामृत्यु की मांग की थी। वह एक बैनर लेकर पहुंचा था, जिसमें पत्नी का फोटो भी लगाया था। उसने बताया था कि एक साल पहले उसकी शादी हुई थी और छह माह पूर्व पत्नी मारपीट कर मायके चली गई थी।

लाने के लिए पंचायत की तो सब के सामने उसे भला बुरा कहते हुए उसकी छवि धूमिल की और साथ जाने से इनकार कर दिया। वह गुंडे भेजकर उसे पिटवाती भी है। इस कारण वह जीना नहीं चाहता। पुलिस ने उसे समझाकर वापस घर भेज दिया था।

आरोप लगाया था कि शादी के बाद पता चला कि शादी से पहले पत्नी का एक युवक से अवैध संबंध था। उसकी बगैर इच्छा के शादी कराई गई। इस पर भी वह समझौता करने को तैयार था, लेकिन पत्नी अपने प्रेमी से लगातार बात करती और मिलती रही। विरोध करने पर प्रताड़ित करने लगी। अपने मायके जाने के दौरान तीन लाख रुपये और जेवर भी ले गई।

संपत्ति विवाद में धारदार हथियार से मारकर भाई की हत्या, मचा कोहराम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

महराजगंज। कटहरा गांव में मंगलवार की रात संपत्ति बंटवारे के विवाद में दो सगे भाइयों में खूनी संघर्ष हो गया। छोटे भाई ने धारदार हथियार से मारकर बड़े भाई की हत्या कर दी। पुलिस मामले में आरोपित भाई सहित छह के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है।

कोतवाली थाना क्षेत्र ग्राम कटहरा टोला निवासी बुधई एवं उसके छोटे भाई वकील के बीच खेत बंटवारे को लेकर बीते शुक्रवार को मारपीट हुई थी। इस घटना में वकील की मां सोमारी व पत्नी रीमा को चोटें लगीं थी। मामले में वकील की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने बुधई और उसके दोनों बेटे अमरजीत एवं रामआशीष के विरुद्ध मारपीट संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया था।

इसी बात को लेकर दोनों भाइयों में दुश्मनी की नींव पड़ गई। मारपीट की घटना के पांचवें दिन मंगलवार की रात वकील कुछ लोगों के साथ मिलकर बुधई की हत्या की साजिश रच डाली। बताया जा रहा है कि वकील सहयोगियों के साथ गोलबंद होकर बुधई के दरवाजे पर चढ़ आया और लाठी डंडे, लोहे के राड एवं धारदार हथियार से बुधई और उसके बेटों पर हमला कर दिए। बुधई लहूलुहान होकर भूमि पर गिरा पड़ा था। स्वजन की चीखपुकार सुन किसी ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों में गंभीर रूप से घायल बुधई को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल अमरजीत एवं रामआशीष का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। कोतवाल सत्येन्द्र कुमार राय ने बताया कि मामले में आरोपित भाई सहित छह लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगी है।

आठ गुना महंगी हो गई यूपी बोर्ड की किताबें, बोर्ड ने बताया... क्यों बढ़ाए गए दाम?

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

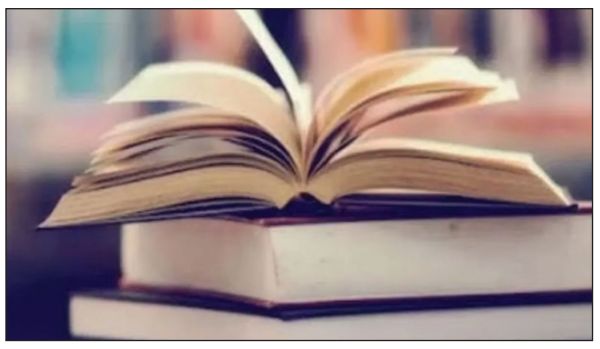

लखनऊ। शिक्षा लगातार महंगी होती जा रही हैं। इससे मध्यम और निम्न आय वर्ग की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। इस बार यूपी बोर्ड में 9 वीं से 12वीं कक्षा की किताबों के दाम आठ गुना बढ़ा दिए गए हैं। इससे अभिभावक परेशान हैं। यूपी बोर्ड की एनसीआरटी आधारित कक्षाएं 912 की कई विषयों की किताबों की कीमतें इस वर्ष आठ गुना तक बढ़ गई हैं।

यह पहली बार है जब साल 2018 के बाद से किताबों के मूल्यों में इतनी भारी वृद्धि हुई है। इसका उद्देश्य प्रकाशकों और रिटेलर्स को आकर्षित करना है, ताकि छात्रों को किताबें समय पर उपलब्ध हो सकें। वैसे कुछ किताबों के दाम घटे भी हैं, जैसे कक्षा 12 की भौतिक (पार्ट 1) की किताब 64 से घटकर 43 रुपये की हो गई है। कक्षा 11 की मनोविज्ञान की 28 रुपये की किताब की कीमत 10 रुपये हो गई है।

बोर्ड ने बताया क्यों बढ़ाए गए दाम

प्रमुख किताबों की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसका सीधा असर मध्यम और निम्न आय वर्ग के अभिभावकों पर पड़ना तय है। बोर्ड का कहना है कि यूपी बोर्ड की किताबें छापने में प्रकाशक रुचि नहीं ले रहे थे। इससे किताबों की कमी हो सकती थी। यूपी बोर्ड की किताबें इतनी सस्ती थी कि प्रकाशक इसे घाटे का सौदा बताकर इससे मुंह मोड़ ले रहे थे। अब किताबें पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होंगी और एनसीआरटी से जुड़ी होंगी, जो शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करेंगी।

अभिभावकों पर बढ़ा आर्थिक बोझ

बोर्ड ने प्रकाशकों के कमीशन को एनसीआरटी स्तर तक बढ़ाया है, जिससे उन्हें किताबें छापने में रुचि हो और रिटेलर्स स्टॉक करें। यूपी बोर्ड की किताबों के दाम आठ गुना बढ़ने से छात्रों के अभिभावकों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ पहले की तुलना में कई गुना अधिक हो गया है।एक अनुमान के मुताबिक 9वीं में जहां 150 रुपए में सभी किताबें आ जाती थीं, वहीं अब इसके लिए अभिभावकों को 700 रुपये देने होंगे। 11वीं में किताबों की कीमत 900 रुपये होगी। इस बढ़ोत्तरी का सबसे अधिक बोझ कम आय वर्ग पर होगा, जिनकी आय दस हजार मासिक है। ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश छात्र सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं, जहां अभिभावक किताबें खुद खरीदते हैं। अब कई किसान और दिहाड़ी मजदूर वर्ग के लोगों को यह खर्च ऋण या उधारी से उठाना पड़ सकता है।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष, एक युवक की गोली मारकर हत्या से फैली सनसनी

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। छाता के गांव लाडपुर में बुधवार सुबह भूमि विवाद में दो पक्षों में झगड़ा हो गया। इसमें गोली मारकर एक युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपित मौके से फरार हो गए। पुलिस ने शव को मोर्चरी भिजवाकर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।

थाना छाता के गांव लाड़पुर में बुधवार सुबह भूमि विवाद को लेकर परिवार के लोगों में विवाद हो गया। इसमें गोली लगने से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। छाता थाना प्रभारी कमलेश सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह गांव लाड़पुर छाता में भाइयों के बीच खेत की मेड़ को लेकर विवाद हो गया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

इस दौरान दोनों ओर से जमकर मारपीट हो गई। देखते ही देखते फायरिंग होने लगी। गोली लगने से पदम सिंह की मृत्यु हो गयी। पुलिस ने मुआयना कर शव कब्जे में कर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। जांच की जा रही है।

स्कूलों में पंखे बंद, बच्चे कॉपी से हवा करने को मजबूर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बल्दीराय / सुल्तानपुर। जुलाई की तपती दोपहर, कमरे में उमस भरी घुटन और बच्चों के पसीने से तर-बतर चेहरे... यह कोई काल्पनिक दृश्य नहीं, बल्कि जिले के सैकड़ों सरकारी और प्राइवेट स्कूलों की हकीकत है। भीषण गर्मी और उमस के बीच जहां बड़े-बुजुर्ग घरों में पंखों-एसी की छांव में बैठने को मजबूर हैं, वहीं केजी और पहली से लेकर 10वीं-12वीं तक के नन्हे छात्र-छात्राएं बिना पंखे के क्लासरूमों में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

सरकारी स्कूलों में पंखों का नामोनिशान तक नहीं है और प्राइवेट स्कूलों में लगे पंखे बिजली के भरोसे हैं — जो स्कूल समय में महज घंटे-डेढ़ घंटे ही आती है। नतीजा यह कि बच्चे अपनी कॉपियों और किताबों को ही पंखा बनाकर हवा करने को मजबूर हैं। भीगते कपड़े, पसीने से चिपके शरीर और थके चेहरों के साथ बच्चों की हालत देखकर किसी भी संवेदनशील व्यक्ति का दिल पसीज जाए।

बच्चों की पढ़ाई पर असर, अभिभावकों में आक्रोश

शारीरिक असहजता और गर्मी की वजह से बच्चों का पढ़ाई में मन नहीं लग रहा। शिक्षक खुद भी बेहाल हैं, लेकिन मजबूरी में क्लास चला रहे हैं। कई बच्चों को चक्कर आने की, घबराहट की शिकायतें सामने आ चुकी हैं। अभिभावकों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से गुहार लगाई है कि ऐसे विद्यालयों में तत्काल पंखों की समुचित व्यवस्था कराई जाए और यदि बिजली की समस्या बनी रहे तो स्कूलों में इन्वर्टर या सौर ऊर्जा आधारित पंखों का इंतजाम किया जाए।

अभिभावकों की मांग: छोटे बच्चों के लिए गर्मी में घोषित हो अवकाश

स्थिति यदि जल्द नहीं सुधरी, तो गर्मी में बच्चों की सेहत से गंभीर खिलवाड़ हो सकता है। अभिभावकों की यह भी मांग है कि जब तक तापमान सामान्य स्तर पर नहीं आता, तब तक कक्षा 5 तक के छोटे बच्चों के लिए गर्मी की छुट्टियों की तरह अस्थायी अवकाश घोषित किया जाए।

प्रशासन से अपील

जिले के शिक्षा अधिकारियों और जिला प्रशासन से अपील है कि बच्चों की सेहत और भविष्य को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रभावी कदम उठाएं। बच्चों को गर्मी और उमस से राहत दिलाना केवल मानवीय नहीं, बल्कि प्रशासनिक दायित्व भी है।

चौथे दिन भी सरैया डिस्टिलरी में डटी रही पंजाब विजिलेंस टीम, दस्तावेजों की जांच जारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया की संपत्ति की जांच में आयी पंजाब विजिलेंस टीम मंगलवार को भी सरैया डिस्टिलरी में पूरे दिन बनी रही। सात घंटे तक चली छानबीन में दस्तावेजों की जांच-पड़ताल हुई। कई अभिलेखों की फोटो कापी कराई गई।जांच को गोपनीय बनाए रखने के लिए परिसर में किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। ।

मंगलवार को पंजाब विजिलेंस की टीम दोपहर में डिस्टिलरी पहुंची और शाम तक वित्तीय और उत्पादन से जुड़े अभिलेखों की गहन छानबीन करती रही। जांच के दौरान अधिकारियों ने साफ निर्देश दिया था कि कोई बाहरी व्यक्ति या कर्मचारी जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप न करे। डिस्टिलरी परिसर को पूरी तरह से खाली करा दिया गया था। सूत्रों के मुताबिक, कुछ नई फाइलें टीम के कब्जे में ली गईं और उनकी फोटो कापी कराई गई। पंजाब विजिलेंस टीम की यह कार्रवाई शनिवार से लगातार चौथे दिन जारी रही है। पहले दिन पांच घंटे,रविवार और सोमवार को क्रमशः नौ और आठ घंटे तक छानबीन की गई।

विजिलेंस टीम की ओर से इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है और अधिकारियों ने मीडिया से दूरी बनाए रखी है। आय से अधिक संपत्ति केस में डिस्टिलरी के आर्थिक रिकॉर्ड को अहम कड़ी मानते हुए प्रत्येक पन्ने की बारीकी से जांच की जा रही है। स्थानीय प्रशासन और आबकारी विभाग भी सतर्क है। बताया जा रहा है कि बुधवार को भी यह कार्रवाई जारी रहती है।

ओवरटेक की कोशिश में आमने–सामने टकराए मिनी ट्रक व कंटेनर, ट्रक चालक और खलासी की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। उन्नाव-हरदोई मार्ग पर बुधवार सुबह सफीपुर क्षेत्र के सरांय एखतियारपुर गांव के पास कंटेनर व मिनी ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मिनी ट्रक के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे में मिनी ट्रक के चालक व खलासी की मौत हो गई। कंटेनर खंती में पलटने से चालक घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल से कानपुर रेफर किया गया है। मिनी ट्रक तड़के बांगरमऊ से सफीपुर की ओर आ रहा था। आगे चल रहे ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश में मिनी ट्रक सामने से आ रहे कंटेनर से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंटेनर सड़क किनारे खंती में पलट गया।

मिनी ट्रक के चालक 24 वर्षीय जालीस अहमद पुत्र छोटे ग्राम भूरा थाना भोजपुरा जनपद बरेली व खलासी का नाम 19 वर्षीय अकरम पुत्र अकबर निवासी थाना, कस्बा फतेहगंज जनपद बरेली केबिन में फंस गए। जब तक उन्हें निकला जाता दोनों की मौत हो गई।

पुलिस ने स्वजन को हादसे की जानकारी देकर शव पोस्टमार्टम को भेजे हैं। हादसे के बाद उन्नाव-हरदोई मार्ग पर जाम लग गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त मिनी ट्रक को सड़क से हटाकर आवागमन सामान्य कराया।

कंटेनर चालक कानपुर के रामादेवी निवासी राहुल सिंह की हालत गंभीर है। उसे जिला अस्पताल से कानपुर एलएलआर अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसओ सुब्रत पाठक ने बताया कि दिवंगत चालक व खलासी के नाम पते की जानकारी की जा रही है।

महाकुंभ 2025 की भीड़ ने घटाई प्रयागराज एयरपोर्ट की रैंकिंग, 20 पायदान फिसला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 के दौरान प्रयागराज एयरपोर्ट पर यात्रियों की भारी भीड़ के कारण ग्राहक संतुष्टि में कमी आई है, जिसके चलते एयरपोर्ट की रैंकिंग 20 पायदान नीचे खिसककर 37वें स्थान पर पहुंच गई है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआइ) द्वारा जारी ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण में यह खुलासा हुआ है। यह सर्वेक्षण देश के उन छोटे हवाई अड्डों पर किया जाता है, जहां वार्षिक यात्री आवागमन 20 लाख से कम होता है।

सर्वेक्षण में शामिल 33 मापदंडों जैसे स्वच्छता, बैगेज डिलीवरी, पार्किंग, रेस्तरां, वाई-फाई, शॉपिंग, कर्मचारियों का व्यवहार, चेक-इन प्रक्रिया, सुरक्षा जांच, उड़ान जानकारी, और बैंकिंग सुविधाओं के आधार पर यह रैंकिंग तय की गई है। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज एयरपोर्ट पर एक दिन में 28 हजार से अधिक यात्रियों का आवागमन हुआ, जिसके कारण बैठने और खड़े होने की जगह तक की कमी हो गई। इस भीड़ ने एयरपोर्ट की सेवाओं पर दबाव बढ़ाया, जिससे यात्री अनुभव प्रभावित हुआ।

पिछली छमाही (जुलाई-दिसंबर 2024) में प्रयागराज एयरपोर्ट 17वें स्थान पर था और वर्ष 2024 में यह शीर्ष 10 में शामिल था। लेकिन इस बार की रैंकिंग में यह केवल चार अन्य एयरपोर्ट्स से ऊपर रहा। उत्तर प्रदेश के अन्य एयरपोर्ट्स में कानपुर चकेरी 18वें, आगरा 20वें, अयोध्या 36वें, और गोरखपुर 39वें स्थान पर हैं। वहीं, उदयपुर, खजुराहो और भोपाल संयुक्त रूप से इस सूची में शीर्ष पर हैं। एएआइ हर छह महीने में जनवरी-जून और जुलाई-दिसंबर की अवधि के लिए यह सर्वेक्षण करता है, जिसमें केवल घरेलू उड़ान संचालित करने वाले एयरपोर्ट शामिल होते हैं। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज एयरपोर्ट ने यात्री और विमान आवाजाही में रिकार्ड बनाया, लेकिन भीड़ के दबाव ने सुविधाओं और यात्री संतुष्टि पर नकारात्मक प्रभाव डाला। एयरपोर्ट सलाहकार समिति के अध्यक्ष सांसद प्रवीण पटेल ने कहा कि रैंकिंग में नीचे गिरना सही नहीं है। गंभीरता के साथ इस पर विचार करना होगा। अच्छी रणनीति बनाकर एयरपोर्ट को पुनः शीर्ष 10 में स्थान दिलाना होगा। भविष्य में बड़े आयोजनों के दौरान बेहतर प्रबंधन और संसाधनों की आवश्यकता होगी। यात्रियों की सुविधा और संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छता, कर्मचारियों की दक्षता, और बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान देना होगा।

किसका क्या रहा प्रदर्शन

यह सर्वेक्षण, जो 5.00 के पैमाने पर यात्रियों की संतुष्टि को मापता है, देश के 43 हवाई अड्डों के प्रदर्शन को दर्शाता है। जहां उदयपुर, खजुराहो और भोपाल ने पूर्ण 5.00 स्कोर हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया, वहीं गोरखपुर, दरभंगा और प्रयागराज जैसे हवाई अड्डों में संतुष्टि स्तर में भारी गिरावट दर्ज की गई। औसत CSI स्कोर 2024 के 4.70 से घटकर 2025 में 4.59 हो गया, जो -0.11 की औसत कमी को दर्शाता है। उदयपुर, खजुराहो और भोपाल हवाई अड्डों ने राउंड-I 2025 में 5.00 का पूर्ण स्कोर प्राप्त किया, जो यात्रियों के लिए उत्कृष्ट सुविधाओं और सेवाओं का प्रमाण है। उदयपुर ने राउंड-II 2024 के 4.98 से मामूली सुधार (+0.02) दिखाया, जबकि खजुराहो (+0.07) और भोपाल (+0.16) ने भी अपनी स्थिति मजबूत की। गया हवाई अड्डे ने 4.48 से 4.99 (+0.51) तक का प्रभावशाली सुधार दर्ज किया, जो इसे शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं में शामिल करता है। सर्वेक्षण में शिमला हवाई अड्डा सबसे बड़ा आश्चर्य रहा, जिसने राउंड-II 2024 के 3.95 स्कोर से राउंड-I 2025 में 4.88 (+0.93) का स्कोर हासिल किया। यह सुधार हवाई अड्डे की सेवाओं, बुनियादी ढांचे और यात्री अनुभव में बड़े पैमाने पर किए गए प्रयासों को दर्शाता है। इसी तरह, देवघर हवाई अड्डे ने 4.30 से 4.92 (+0.62) तक का उल्लेखनीय सुधार दिखाया, जो इसे ग्रामीण क्षेत्रों में उभरते हवाई अड्डों के लिए एक प्रेरणा बनाता है। कोल्हापुर (+0.38), रांची (+0.27), और सिलचर (+0.25) ने भी संतुष्टि स्कोर में अच्छी प्रगति दर्ज की।

प्रयागराज में चिंताजनक गिरावट

दूसरी ओर, कई हवाई अड्डों में ग्राहक संतुष्टि में गिरावट देखी गई। गोरखपुर हवाई अड्डा इस सूची में सबसे नीचे रहा, जहां CSI स्कोर 4.95 से गिरकर 3.20 (-1.75) हो गया। दरभंगा में भी 4.81 से 3.20 (-1.61) की भारी गिरावट दर्ज की गई। प्रयागराज, जो अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक महत्ता के लिए जाना जाता है, ने भी 4.82 से 3.87 (-0.95) का स्कोर दिखाया, जो यात्रियों की अपेक्षाओं को पूरा करने में चुनौतियों को उजागर करता है। सर्वेक्षण से पता चलता है कि छोटे और क्षेत्रीय हवाई अड्डों ने कई बड़े हवाई अड्डों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। उदयपुर, खजुराहो, और गया जैसे हवाई अड्डों ने लगातार उच्च स्कोर बनाए रखा, जो क्षेत्रीय हवाई अड्डों पर बढ़ते निवेश और बेहतर प्रबंधन को दर्शाता है।

हालांकि, प्रयागराज, गोरखपुर, और दरभंगा जैसे हवाई अड्डों में गिरावट चिंता का विषय है, क्योंकि ये धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र हैं। बागडोगरा (-0.93), कुल्लू-मनाली (-0.55), और राजकोट (-0.53) भी उन हवाई अड्डों में शामिल हैं, जहां संतुष्टि स्तर में उल्लेखनीय कमी आई। कुछ हवाई अड्डों ने स्थिर प्रदर्शन दिखाया। उदाहरण के लिए, डिब्रूगढ़ का स्कोर 4.53 पर अपरिवर्तित रहा। जम्मू (+0.01), लेह (+0.01), और विजयवाड़ा (+0.03) जैसे हवाई अड्डों ने मामूली सुधार दर्ज किया, जबकि गग्गल (कांगड़ा) (-0.03), वडोदरा (-0.03), और तूतीकोरिन (-0.05) में मामूली कमी देखी गई। तेजपुर और जैसलमेर हवाई अड्डों का सर्वेक्षण राउंड-II 2024 में अनुसूचित उड़ानों की अनुपलब्धता के कारण नहीं हो सका, लेकिन राउंड-I 2025 में इनका स्कोर क्रमशः 4.47 और 4.45 रहा।

क्या बोले सलाहकार समिति के सदस्य

प्रयागराज एयरपोर्ट सलाहकार समिति के सदस्य चंद्रशेखर ओझा का मानना है कि संतुष्टि स्कोर में कमी का कारण बुनियादी ढांचे की कमी, भीड़भाड़, और कर्मचारियों के प्रशिक्षण में अंतर हो सकता है। विशेष रूप से, गोरखपुर और दरभंगा जैसे हवाई अड्डों पर तेजी से बढ़ते यात्री यातायात को संभालने के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं हो पाए हैं।

हमने आठ साल में लगाए 204 करोड़ पौधे, 5 लाख एकड़ में हुआ वनाच्छादन: योगी

» मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों का किया आह्वान बढ़ चढ़ कर करें पौधरोपण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को रामपुर हलवारा में सरयू नदी के किनारे त्रिवेणी वाटिका में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बरगद, नीम और पीपल के पौधे रोपकर इसे भगवान श्रीराम, धरती माता और जन्मदायिनी माता को समर्पित किया। अयोध्या की पवित्र भूमि पर आयोजित एक जनसभा में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ इस अभियान की महत्ता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अभूतपूर्व प्रगति की है। इस दौरान 204 करोड़ पौधों का रोपण किया गया, जिनमें से 75 प्रतिशत पौधे जीवित हैं। इसके परिणामस्वरूप राज्य में 5 लाख एकड़ क्षेत्र में वनाच्छादन बढ़ा है।

सीएम योगी ने कहा कि हमने हीटवेव को ग्रीनवेव में बदला है। यह प्रयास न केवल पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहायक है, बल्कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु का उल्लेख करते हुए कहा कि पेड़ों में भी जीवन है और ये छाया, फल, मृदा संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को सीएम योगी ने धरती माता और जन्मदायिनी मां के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक बताया। उन्होंने वैदिक उद्घोष 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' का उल्लेख करते हुए कहा कि एक सच्चा पुत्र वही है जो अपनी मां की सेवा और रक्षा करता है। इस अभियान के तहत प्रदेशवासियों ने सुबह 7 बजे से ही उत्साह के साथ पौधरोपण शुरू किया। योगी ने कहा कि यह अभियान वर्तमान को संवारने और भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। पेड़ हमें प्रदूषण, सांस की बीमारियों और कार्बन उत्सर्जन के दुष्प्रभावों से बचाएंगे। मुख्यमंत्री ने जलवायु परिवर्तन को वैश्विक चुनौती बताते हुए कहा कि अतिवृष्टि, अनावृष्टि और बादल फटने जैसी घटनाएं अनियोजित विकास का परिणाम हैं। उन्होंने अमेरिका के टेक्सास में हाल ही में हुई एक घटना का जिक्र किया, जहां अचानक आई बाढ़ में सैकड़ों बच्चे लापता हो गए। सीएम योगी ने जोर देकर कहा कि नियोजित और वैज्ञानिक प्रयासों से विकास और पर्यावरण संरक्षण में संतुलन स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि आठ साल पहले शुरू हुए इस अभियान में शुरुआत में केवल 5 करोड़ पौधे उपलब्ध थे, लेकिन वन विभाग, मनरेगा और निजी क्षेत्र के सहयोग से आज 52 करोड़ पौधे तैयार किए गए हैं। पौधरोपण अभियान ने न केवल पर्यावरण को लाभ पहुंचाया, बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत किया है। सीएम योगी ने बताया कि कार्बन फाइनेंसिंग के माध्यम से किसानों को प्रति पेड़ 6 डॉलर पांच साल तक दिए जा रहे हैं। पिछले साल 25 हजार से अधिक किसानों को यह लाभ मिला और इस साल सात कमिश्नरियों के किसानों को 42 लाख रुपये कार्बन क्रेडिट के रूप में प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर उन किसानों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने पौधरोपण और उनकी देखभाल में योगदान दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के बदलते स्वरूप पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्राचीन नगरी आज देश-दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बन रही है। उन्होंने कहा कि जो अयोध्या कभी वीरान थी, वह आज त्रेतायुगीन वैभव की ओर अग्रसर है। अयोध्या को देश की पहली सोलर सिटी बनाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इंटरनेशनल एयरपोर्ट और मियावाकी पद्धति से वन विकास जैसे प्रयास इसे और समृद्ध कर रहे हैं। तिलोदकी नदी के पुनरोद्धार में योगदान देने वालों को भी सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पर्यावरण संरक्षण के विजन की सराहना की और कहा कि उनके नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान ने उत्तर प्रदेश को हरित भविष्य की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने चूल्हा हटाकर गैस सिलेंडर, एलईडी लाइट्स और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध जैसे कदमों को धरती माता की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया। सीएम योगी ने कहा कि पिछले साल पीएम मोदी द्वारा श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद इस साल अयोध्या में पौधरोपण अभियान का शुभारंभ विशेष महत्व रखता है।

इस अभियान में सभी जनप्रतिनिधियों और प्रदेशवासियों की सक्रिय भागीदारी को सराहते हुए योगी ने कहा कि यह अभियान सायंकाल 7 बजे तक चलेगा। उन्होंने सभी से अपील की कि वे इस महाअभियान से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें। अयोध्या के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा कि मैं हमेशा अयोध्या के साथ हूं। यह अभियान अयोध्या को विश्व पटल पर और गौरव प्रदान करेगा। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, डॉ अरुण कुमार, महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायकगण वेद प्रकाश गुप्ता, अमित सिंह चौहान, रामचंद्र यादव, अभय सिंह, चंद्रभानु पासवान, एमएलसी हरिओम पांडेय, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, बीजेपी जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव पर्यावरण एवं वन अनिल कुमार सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

कैरेटलेन करेगी उत्तर प्रदेश में बड़ा विस्तार, लखनऊ सहित आठ नए शहरों में खुलेंगे स्टोर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। टाइटन कंपनी लिमिटेड के 100 प्रतिशत स्वामित्व वाले भारत के अग्रणी ओम्नी-चैनल ज्वेलरी ब्रांड कैरेटलेन ने उत्तर प्रदेश को अपने क्षेत्रीय विस्तार की रणनीति में केंद्र में रखते हुए एक नया अभियान शुरू किया है। शहरी और उभरते बाज़ारों में आभूषणों की बढ़ती मांग और डिजिटल व ऑफलाइन माध्यमों में लगातार बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए ब्रांड राज्य में अपनी उपस्थिति को व्यापक बनाने जा रहा है।कैरेटलेन के मैनेजिंग डायरेक्टर सौमेन भौमिक ने बताया कि उत्तर प्रदेश अपने विशाल बाजार और उपभोक्ता व्यवहार में हो रहे परिवर्तन के चलते ब्रांड के लिए एक प्रमुख प्रदेश बन गया है। उन्होंने कहा, ₹ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों में यहां लगातार वृद्धि हो रही है। हम उपभोक्ताओं से रिश्ते और गहरे करने तथा उनकी खरीदारी की आदतों में नवाचार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।₹वित्तीय वर्ष 2025-26 में कैरेटलेन उत्तर प्रदेश में 15 नए स्टोर खोलने की योजना बना रहा है। इनमें आठ स्टोर टियर-2 और टियर-3 शहरों में जैसे जौनपुर, आज़मगढ़, रायबरेली, मुज़फ्फरनगर, सुलतानपुर, गाज़ीपुर आदि में खोले जाएंगे। इसे राज्य में ब्रांड के विस्तार की अगली लहर के रूप में देखा जा रहा है।ब्रांड ने घोषणा की है कि लखनऊ में अगले सप्ताह एक नया स्टोर खोला जाएगा, जो न केवल एक रिटेल केंद्र होगा बल्कि उपभोक्ताओं के साथ ब्रांड की बढ़ती लोकप्रियता का भी प्रतीक बनेगा।कैरेटलेन का यह कदम प्रदेश के आभूषण बाजार में प्रतिस्पर्धा को नई दिशा देने के साथ-साथ उपभोक्ताओं को अत्याधुनिक डिजाइन और खरीद के नए अनुभव भी प्रदान करेगा।

मधुशाला नहीं पाठशाला चाहिए– संजय सिंह ने जौनपुर से शुरू किया स्कूल बचाओ अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने बुधवार को जौनपुर के प्राथमिक विद्यालय मीरगंज खास से 'स्कूल बचाओ अभियान' की शुरुआत करते हुए योगी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक ओर राज्य सरकार 27000 सरकारी स्कूलों को बंद करने जा रही है, वहीं दूसरी ओर 27308 नई शराब की दुकानों (मधुशालाओं) को मंजूरी दे चुकी है। "हमें मधुशाला नहीं, पाठशाला चाहिए," कहते हुए संजय सिंह ने ऐलान किया कि वे बच्चों की अपील को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे।संजय सिंह ने कहा कि कई जिलों में स्कूल बंद करने के आदेश पहले ही लागू हो चुके हैं। जौनपुर जिले के सिकरारा विधानसभा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मीरगंज खास को बंद कर, वहां पढ़ने वाले बच्चों को तीन किलोमीटर दूर एक अन्य विद्यालय में भेजने के आदेश ने स्थानीय अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने कहा, "बच्चे रो रहे हैं, उनके माता-पिता रो रहे हैं। ये बच्चे गरीब घरों से आते हैं, उनके लिए यह स्कूल ही सब कुछ है।"स्थानीय लोगों ने सांसद से मिलकर बताया कि नए स्कूल तक जाने के लिए बच्चों को फोर लेन हाइवे पार करना पड़ता है, जो उनके लिए बेहद खतरनाक है। संजय सिंह ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "अगर कल को किसी बच्चे के साथ कोई दुर्घटना हो जाए तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?"उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार देता है, और यह भी कहता है कि एक किलोमीटर के दायरे में स्कूल उपलब्ध होना चाहिए। लेकिन जो विलय किया गया है, वह नियमों के प्रतिकूल है।संजय सिंह ने मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की, "आपसे हाथ जोड़कर कहता हूं – इन बच्चों का स्कूल फिर से खोलिए। इनके माता-पिता बेहद गरीब हैं और बड़ी मुश्किल से बच्चों को पढ़ा रहे हैं। जब से स्कूल बंद हुआ है, बच्चे पढ़ाई से वंचित हैं।"उन्होंने घोषणा की कि आम आदमी पार्टी पूरे उत्तर प्रदेश में उन गांवों में जाएगी जहां सरकारी स्कूल बंद किए जा चुके हैं। बच्चों, अभिभावकों से बात करेगी और अगर ज़रूरत पड़ी तो आंदोलन भी छेड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि वह खुद गांव-गांव जाकर स्थिति का जायजा लेंगे और इस मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट तक लेकर जाएंगे।कार्यक्रम के अंत में संजय सिंह ने स्थानीय लोगों के साथ पदयात्रा कर उस स्कूल तक भी गए जिसमें मीरगंज खास विद्यालय का विलय किया गया है।

शिक्षक व अभिभावकों ने लगाये पौधें

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोसाईंगंज के उच्च प्राथमिक विद्यालय बेली में बुधवार को वृहद वृक्षारोपण एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी गोसाईगंज राजाराम की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अथिति जिला बेसिक शिक्षा शिक्षा अधिकारी लखनऊ राम प्रवेश द्वारा विद्यालय में वृक्षारोपण का शुभारम्भ पेड़ लगाकर किया गया। इस आयोजन में बच्चों की अभिभावक (माताओं) और बच्चों ने भी एवं विद्यालय के समस्त स्टॉफ और नोडल संकुल द्वारा एक एक पेड़ माँ के नाम से लगाया गया। आयोजन में विद्यालय की प्रधानाध्यापक शशिकिरण , उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश कुमार मौर्य ए आर पी शैलेन्द्र शर्मा , जगतपाल , रेनू सैनी, सुनीता संतोषी, राजीव गिहार, वंदना वर्मा, शालिनी वर्मा और विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

लखनऊ नगर निगम का ऐतिहासिक पर्यावरणीय अभियान : एक दिन में लगाए गए 1,37,312 पौधे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पर्यावरण संरक्षण को जनांदोलन बनाने की दिशा में लखनऊ नगर निगम ने बुधवार को एक ऐतिहासिक पहल करते हुए 'एक पेड़ मां के नाम - 2.0' अभियान के तहत एक ही दिन में 1,37,312 पौधों का सामूहिक वृक्षारोपण कर प्रदेश में एक नई मिसाल कायम की। राजधानी के आम्रपाली योजना, दुबग्गा में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में नगर निगम के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, पार्षदगण और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम की शुरुआत नोएडा के विधायक और प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह द्वारा लाल चंदन का पौधा लगाकर की गई। उन्होंने इस अवसर पर लखनऊ नगर निगम द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए इसे भावी पीढ़ियों को समर्पित एक प्रेरणादायक प्रयास बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर सुषमा खर्कवाल ने की, जिन्होंने रुद्राक्ष का पौधा रोपित कर प्रकृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की।इस आयोजन में उप नेता पार्षद दल सुशील तिवारी 'पम्मी', पूर्व जिला अध्यक्ष श्रीकृष्णा लोधी, पार्षदगण रोशनी रावत, कमलेश पटेल, अनुराग मिश्रा अन्नू, धर्मेंद्र सिंह, सी.बी. सिंह, अजय दीक्षित और गीता देवी सहित कई गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, नम्रता सिंह, अरुण कुमार गुप्त और डॉ. अरविंद कुमार राव सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारियों और उद्यान विभाग की टीम ने आयोजन की सफलता में अहम भूमिका निभाई।अपर नगर आयुक्त (उद्यान) डॉ. अरविंद कुमार राव के मार्गदर्शन में अभियान के अंतर्गत भरावन कला में 14,314, जानकीपुरम थर्ड वार्ड (रसूलपुर कायस्त) में 81,800 और शहर के विभिन्न पार्कों में 41,198 पौधे लगाए गए। इस अभियान में आम, सिंदूर बेल, आंवला, पीपल, नीम, बॉटल ब्रश, जामुन, कचनार, इमली, पाकड़, बरगद, रुद्राक्ष, पारिजात और अर्जुन जैसी विविध प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया, जो पर्यावरणीय संतुलन को मजबूती प्रदान करेंगे।महापौर सुषमा खर्कवाल ने अपने संबोधन में कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान केवल हरियाली बढ़ाने की पहल नहीं, बल्कि यह धरती माता और जीवनदायिनी प्रकृति के प्रति सम्मान प्रकट करने का माध्यम है।

पास न देने के विवाद में कार सवारों ने दलित युवक को पीटा

गोसाईगंज, **लखनऊ।** गोसाईगंज थाना क्षेत्र के निजामपुर गांव के पास गाड़ी को पास न देने के विवाद में ऑटो रिक्शा पर सवार युवक को दो लोगों ने बुरी तरह पीट दिया और जातिसूचक गालियां दीं। किसी तरह लोगों ने दौड़कर बीच बचाव किया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर पूरे मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। टिकनियामऊ निवासी लालमन ने बताया कि वह ऑटो रिक्शा से जा रहा था तभी रास्ते में निजामपुर के पास कार यूपी 32 एनआर 8605 व यूपी 32 पी एल 9127 सवार दो युवकों ने पास न देने पर रोक कर लाठी डंडों व लात घूंसे से पीट दिया और जातिसूचक गालियां दीं। पीड़ित ने गोसाईगंज थाने जाकर आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई। आरोपियों के नाम छोटू यादव निवासी सदरपुर करोरा पश्चिम व जितेंद्र निवासी अर्जुन गंज बताए जाते हैं।

लखनऊ नगर निगम की योजनाओं का ब्लूप्रिंट:

स्वच्छ, स्मार्ट और पर्यावरण–अनुकूल राजधानी की ओर बढ़ता कदम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने बुधवार को नगर निगम मुख्यालय के समिति कक्ष में एक अहम प्रेस वार्ता की। यह संवाद हाल ही में हरियाणा के मानेसर में आयोजित राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय अध्यक्ष सम्मेलन की पृष्ठभूमि में आयोजित किया गया, जिसमें लखनऊ नगर निगम ने सक्रिय और प्रभावशाली सहभागिता दर्ज की।प्रेस वार्ता में महापौर ने राजधानी के लिए निगम की भावी योजनाएं साझा करते हुए बताया कि आने वाले दो महीनों में लखनऊ के सभी जोनों में पोर्टेबल कॉम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन (PCTS) लगाए जाएंगे, जिससे कचरा संग्रहण और ट्रांसफर की प्रक्रिया ज्यादा संगठित और वैज्ञानिक होगी। इसके अलावा नगर निगम शहर में पावर प्लांट लगाने की दिशा में भी कार्य कर रहा है, जिससे कचरे से ऊर्जा उत्पन्न की जा सकेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उद्देश्य केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि लखनऊ को टिकाऊ और स्मार्ट शहर में बदलना है।सम्मेलन में देश के विभिन्न शहरों की बेहतरीन शहरी प्रथाओं से प्रेरणा लेते हुए लखनऊ में भी कई योजनाएं शुरू की जाएंगी। इंदौर के मॉडल से सीख लेकर गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण, बायो-CNG प्लांट की स्थापना और म्युनिसिपल बॉन्ड जैसे प्रयास लखनऊ में लागू किए जाएंगे। विशाखापट्टनम की तर्ज पर वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट की क्षमता बढ़ाई जाएगी, वहीं सूरत की तरह उद्योगों को ट्रीटेड वॉटर देने की योजना पर भी काम होगा। पुणे से प्रेरित होकर नगर निगम कचरा बीनने वालों को सहकारी समिति में शामिल कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करेगा।महापौर ने यह भी बताया कि सम्मेलन में लखनऊ की भागीदारी को सराहा गया और महिला नेतृत्व को एक निर्णायक भूमिका के रूप में स्वीकार किया गया। उन्होंने कहा कि आज महिला जनप्रतिनिधि केवल उपस्थिति का प्रतीक नहीं, बल्कि नीति निर्माण की मुख्य धारा बन चुकी हैं। लखनऊ नगर निगम महिला प्रतिनिधियों को बजट प्रबंधन, प्रशिक्षण और डिजिटल शासन की दिशा में और सशक्त करने की दिशा में काम करेगा।नगर निगम द्वारा 2025-26 की पहली तिमाही में ₹202 करोड़ की कर वसूली की गई है, जो कि एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि अब भी 4.33 लाख भवन स्वामी टैक्स बकायेदार हैं।

सिटी इंटरनेशनल स्कूल, बालागंज में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत विद्यार्थियों ने किया वृक्षारोपण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पर्यावरणीय जागरूकता और भावनात्मक जुड़ाव को प्रोत्साहित करते हुए सिटी इंटरनेशनल स्कूल, बालागंज ने आज भारत सरकार द्वारा संचालित अभियान 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन में स्कूल के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और संवेदना के साथ भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध दंत चिकित्सक डॉ. गौरव भल्ला और डॉ. दीप्ति भल्ला (Tooth N Implant क्लिनिक) ने शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ मिलकर पौधे लगाए और पर्यावरण को हरा-भरा बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें पर्यावरणीय संतुलन, जलवायु परिवर्तन और हरियाली की आवश्यकता के बारे में सरल और प्रेरक शब्दों में समझाया।विद्यार्थियों ने ₹एक पेड़ – एक भावना₹, ₹पेड़ लगाओ – जीवन बचाओ₹ जैसे नारों के साथ जनजागरूकता फैलाई और वृक्षों को केवल जीवनदायी संसाधन नहीं, बल्कि भावनात्मक धरोहर के रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम ने नन्हे पर्यावरण योद्धाओं को प्रकृति के साथ भावनात्मक रूप से जोड़ने का अवसर दिया।स्कूल प्रबंधक शहाब हैदर ने अपने संबोधन में कहा कि यह अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बच्चों के मन में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी, कर्तव्य और अपनापन जगाने का एक सुंदर प्रयास है। उन्होंने यह भी कहा कि "पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि ये हमारी भावनाओं और स्मृतियों के प्रतीक भी बन सकते हैं।"सिटी इंटरनेशनल स्कूल का यह प्रयास न केवल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

बीबीएयू में 'एक पेड़ मां के नाम – 2.0' अभियान के तहत 2100 पौधे एक साथ रोपित, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर बढ़ाया कदम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में मंगलवार को पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान के अद्भुत संगम के रूप में 'एक पेड़ मां के नाम - 2.0' अभियान के तहत एक ऐतिहासिक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 2100 प्रतिभागियों ने एक ही समय, एक ही स्थान पर 2100 पौधे रोपित कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान दर्ज कराने का प्रयास किया।कार्यक्रम का आयोजन बीबीएयू के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के दिशा-निर्देशन में उत्तर प्रदेश सरकार के वन विभाग के सहयोग से किया गया। आयोजन के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार और पूर्व आईएएस अधिकारी अवनीश अवस्थी उपस्थित रहे। यह रिकॉर्ड प्रदेश सरकार के उस व्यापक हरित अभियान का हिस्सा रहा, जिसके तहत 9 जुलाई को एक ही दिन में 37 करोड़ पौधों का रोपण किया गया।इस वृक्षारोपण अभियान की निगरानी गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से आए निर्णायकों ने की। इससे पूर्व यह रिकॉर्ड असम सरकार के नाम था, जहां 17 सितंबर 2023 को 1229 लोगों ने एक साथ 1229 पौधे रोपित किए थे। बीबीएयू द्वारा किए गए प्रयास ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने पूर्व निर्धारित स्थलों पर अनुशासित ढंग से एक साथ पौधे लगाकर पर्यावरणीय चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। सभी प्रतिभागियों से अपील की गई कि वे 'माई लाइफ पोर्टल' पर अपने द्वारा रोपित पौधे के साथ फोटो अपलोड करें। चयनित श्रेष्ठ तस्वीरों को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित किया जाएगा।यह आयोजन बीबीएयू के लिए न केवल सम्मान का क्षण रहा, बल्कि उत्तर प्रदेश और भारत के लिए एक प्रेरणादायक पर्यावरणीय पहल भी बन गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मात्र पौधारोपण नहीं, बल्कि मातृत्व के सम्मान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाना भी रहा।इस पहल में लखनऊ के 10–12 विद्यालयों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही बीबीएयू के शिक्षकगण, कर्मचारी, विद्यार्थी तथा वन विभाग एवं प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी वृक्षारोपण में सहभागी बने। सभी ने समर्पण और समन्वय के साथ मिलकर रिकॉर्ड बनाने की दिशा में प्रयास किया।इस अवसर पर बीबीएयू के कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह, प्रॉक्टर प्रो. एम. पी. सिंह, डीएसडब्ल्यू प्रो. नरेंद्र कुमार, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, विद्यार्थी तथा आमंत्रित अतिथिगण भी मौजूद रहे।यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार बनाने की दिशा में एक उल्लेखनीय योगदान सिद्ध होगा।

उत्तर प्रदेश बना जूपी लूडो का सबसे बड़ा यूज़र बेस, लखनऊ में 2 बिलियन से अधिक बार खेला गया गेम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारत के अग्रणी ऑनलाइन स्किल-बेस्ड गेमिंग प्लेटफॉर्म जूपी ने उत्तर प्रदेश में अपनी जबरदस्त लोकप्रियता की घोषणा करते हुए बताया कि राज्य अब जूपी लूडो का सबसे बड़ा यूज़र बेस बन गया है। प्रदेश में 1.5 करोड़ से अधिक लोग इस गेम को खेल रहे हैं, वहीं राजधानी लखनऊ में यह गेम अब तक 2 बिलियन से अधिक बार खेला जा चुका है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि यह दर्शाता है कि किस प्रकार सांस्कृतिक रूप से जुड़े खेल अब डिजिटल रूप में नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं।जूपी, जिसने भारत में स्किल-बेस्ड कैजुअल गेमिंग की शुरुआत की थी, अब डिजिटल भारत के विस्तार में अहम भूमिका निभा रहा है। उत्तर प्रदेश ने इस यात्रा को गति दी है और यह प्रमाणित कर दिया है कि यह राज्य न केवल गेमिंग में भागीदारी कर रहा है, बल्कि एक नई दिशा भी तय कर रहा है। बीते एक वर्ष के दौरान राज्य में 30 लाख से अधिक नए यूज़र जुड़े हैं, जो यह दर्शाता है कि लूडो जैसे पारंपरिक खेल, जब डिजिटल स्किल-बेस्ड फॉर्मेट में प्रस्तुत किए जाते हैं, तो वे नई पीढ़ी से लेकर हर वर्ग तक गहराई से जुड़ जाते हैं।जूपी लूडो की सफलता का एक बड़ा कारण उसका सहज और न्यायपूर्ण खेल का मॉडल है। इसका डाइस-लेस फॉर्मेट और मूव-बेस्ड स्कोरिंग सिस्टम गेम को केवल भाग्य आधारित नहीं, बल्कि रणनीति और कौशल आधारित बनाता है। इसने लोगों की सोच को बदला है कि लूडो सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि मानसिक कौशल का भी खेल हो सकता है। यही कारण है कि यह गेम अब टियर-2, टियर-3 शहरों और ग्रामीण इलाकों में विशेष रूप से लोकप्रिय हो चुका है।जूपी के चीफ़ स्पोकपर्सन गोविंद मित्तल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कंपनी ने एक रोमांचक और प्रेरक यात्रा तय की है।

विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं। इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2,880 अमेरिकी डॉलर है। भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,960 अमेरिकी डॉलर है।

ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54,950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रांस के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46,390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41,090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53,560 अमेरिकी डॉलर है।

ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9,960 अमेरिकी डॉलर है। सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है।

इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरु आत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षों में परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है।

अमेरिका में तो आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम 1940 में ही प्रारम्भ हो गए थे एवं चीन में वर्ष 1960 से प्रारम्भ हुए। आज भारत सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व में चौथे पर पहुंच गया है परंतु भारत को प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में जबरदस्त सुधार करने की आवश्यकता है। भारत पूरे विश्व में आध्यात्म के मामले में सबसे आगे है अतः भारत को धार्मिक पर्यटन को सबसे तेज गति से आगे बढ़ाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर निर्मित करने चाहिए जिससे नागरिकों की आय में वृद्धि करना आसान हो। दूसरे, भारत में 80 करोड़ आबादी का युवा (35 वर्ष से कम आयु) होना भी विकास के इंजिन के रूप में कार्य कर सकता है।

भारत की विशाल आबादी ने भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान दिया है। भारत की अर्थव्यवस्था में विविधता झलकती है और यह केवल कुछ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान 16 प्रतिशत है तथा रोजगार के अधिकतम अवसर भी कृषि क्षेत्र से ही निकलते हैं, जिसके चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद विपरीत रूप से प्रभावित होता है। सेवा क्षेत्र का योगदान 60 प्रतिशत से अधिक है, परंतु विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ाने की आवश्यकता है।

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत में 81 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है अर्थात विदेशी निवेशक भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। आज विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा है। आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी 694 अरब अमेरिकी डॉलर की आंकड़े को पार कर गया है। आगे आने वाले समय में अब विश्वास किया जा सकता है कि भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होती हुई दिखाई देगी।

जीएसटी की 12 प्रतिशत स्लेब में बदलाव से उद्योग और आमजन को मिलेगी राहत

जीएसटी अप्रत्यक्ष कर प्रणाली होने के साथ ही समूचे देश में कर की एकरुपता के लिए 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू की गई थी। देष में असम पहला प्रदेश था जिसने सबसे पहले जीएसटी को अपनाया।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

वस्तु एवं सेवा कर यानी कि जीएसटी की चार स्लेबों में से दूसरी 12 प्रतिशत की स्लेब को लेकर जिस तरह की चर्चाएं आम हो रही है उससे मध्य व निम्न वर्ग में आशा का संचार होने लगा है। दरअसल समाज का मध्यम और निम्न वर्ग सबसे अधिक प्रभावित जीएसटी की 12 प्रतिशत वाली स्लेब से ही हो रहे हैं। इन वर्गों से जुडी वस्तुएं या सेवाओं पर लगने वाला कर सीधा सीधा इन्हें प्रभावित करता है। इसका कारण भी साफ है कि दैनिक उपभोग की अधिकांश वस्तुएं इसी स्लेब में आती है। खाने-पीने की वस्तुओं के साथ ही जूते-चप्पल, कपड़े आदि भी इसी स्लेब में आते हैं। हांलाकि विशेषज्ञों के अनुसार 12 प्रतिशत की स्लेब पर निर्णय से सरकार पर 40 से 50 हजार करोड़ रुपए के राजस्व का असर पड़ेगा पर यह भी माना जा रहा है कि बाजार में इन वस्तुओं की मांग बढ़ेगी और मांग बढ़ने से काफी मात्रा में राजस्व पूर्ति हो सकेगी। वैसे भी फ्री बीज के नाम पर बहुत कुछ जा रहा है तो फिर यदि बड़ी आबादी को राहत और लोकहित में कोई निर्णय किया जाता है तो वह अधिक लाभकारी होता है। हालांकि इस निर्णय के भी बिहार सहित अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों से जोड़कर राजनीतिक अर्थ निकाले जाएंगे पर इस तरह के निर्णयों पर राजनीति करना उचित नहीं कहा जा सकता। जानकारों के अनुसार जीएसटी काउंसिल की आगामी बैठक में 12 प्रतिशत वाली स्लेब को या तो विलोपित करने पर विचार किया जा सकता है या फिर इसमें से आम उपभोग की वस्तुओं को पांच प्रतिशत की स्लेब के दायरें में लाया जा सकता है। 12 प्रतिशत की स्लेब को विलोपित किया जाता है तो इसके दायरें में आ रही वस्तुएं या सेवाएं 5 प्रतिशत की स्लेब दायरें में आने की अधिक संभावना हैं। यदि विलोपित भी नहीं की जाती है और आज की प्रचलित चार स्लेबों 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत में से सीधे आम उपभोग की वस्तुओं और सेवाओं को नीचे वाली और शेष को अन्य स्लेबों में समायोजित किया जा सकता है। बढ़ती मंहगाई के कारण आम नागरिकों खासतौर से मध्य और निम्न मध्य वर्ग को राहत दिलाने के लिए इस पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

जीएसटी अप्रत्यक्ष कर प्रणाली होने के साथ ही समूचे देश में कर की एकरुपता के लिए 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू की गई थी। देश में असम पहला प्रदेश था जिसने सबसे पहले जीएसटी को अपनाया। अब तो समूचे देश में जीएसटी व्यवस्था लागू हो चुकी है। अब तक जीएसटी काउंसिल की 57 बैठके हो चुकी है और इनमें अनवरत रुप से सुधार व बदलाव किया जाता रहा है। 12 प्रतिशत के बदलाव की चर्चा छेड़कर बैठक से पहले ही बहस छेड़ दी गई है। इसे सकारात्मक भी माना जाना चाहिए क्योंकि जीएसटी स्लेबों के निर्धारत में राज्यों की भी प्रमुख भूमिका होती है। जीएसटी काउंसिल में राज्यों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेते हैं और उसी में निर्णय किया जाता है। जीएसटी से संग्रहित होने वाली राशि राज्यों को भी मिलती है तो समूचे देश में एक वस्तु पर एक ही दर लगने से अदायगी राशि एक ही होती है। जीएसटी यानी कि एक राष्ट्र एक कर की अवधारणा अटल बिहारी वाजपेई के प्रधानमंत्री काल में सामने आई थी। डॉ. विजय केलकर की अध्यक्षता में टास्क फोर्स का गठन हुआ। समान कर की बात तो सभी सरकारों द्वारा की जाती रही पर 1 जुलाई 2017 को यह व्यवस्था लागू हो सकी। हांलाकि आमनागरिकों की भारी मांग के बावजूद पेट्रोल-डीजल को अभी तक जीएसटी के दायरें में नहीं लाया जा सका है और इसका कारण भी बड़ा साफ है कि इसमें केन्द्र राज्यों की सभी सरकारों के हित जुड़े हुए हैं। पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़ने और इस पर कितना कर लग रहा है इस पर तो पक्ष विपक्ष हल्ला तो बोल लेते हैं पर कभी जीएसटी के दायरें में लाने के सार्थक प्रयास नहीं कर पाये हैं।

समान कर प्रणाली की अवधारणा सबसे पहले फ्रांस में आई। 1954 में फ्रांस में जीन वेप्टिस्ट कालवर्ट जीएसटी की अवधारणा सामने लाये और इस समान कर प्रणाली की सकारात्मकता का ही परिणाम है कि दुनिया क 160 देशों में जीएसटी जैसी समान कर प्रणाली प्रचलन में है। हमारे देश में 12 प्रतिशत की स्लेब इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि दैनिक उपभोग की अधिकांश वस्तुएं इसी कर दायरें में आती है। एक हजार रु. से अधिक के कपड़े जूते से लेकर घी, तेल, मक्खन, डेयरी उत्पाद, सब्जियां, फल, मेवे सहित खाद्य पदार्थ, पेय पदार्थ, 20 लीटर पैक में पीने के पानी की बोतल, कॉटन हैण्ड बैग जूट का सामान, पत्थर और लकड़ी आदि की मूर्तियां, चश्मा, बच्चों की पेंसिल स्लेट, खेल का सामान, यहां तक कि क्लीन एनर्जी डिवाइस सहित बहुत सारी वस्तुएं इस दायरें में आती है। सीधी सी बात यह है कि यह वस्तुएं ऐशो-आराम की वस्तुएं तो है नहीं और कम से कम मध्यवर्गीय परिवार तो इन्हें खरीदता ही है तो निम्न वर्ग परिवार भी दूसरी कटौती या अपना पेट काटकर इन्हें खरिदता है।

ऐसे में 12 प्रतिशत की स्लेब पर विचार निश्चित रुप से सकारात्मक संदेश देता है। बैसे भी 12 प्रतिशत की स्लेब को लेकर जो बहस छिड़ी है उसमें सकारात्मक पक्ष ही खुलकर सामने आया है और विशेषज्ञों ने इस स्लेब में किसी तरह के बदलाव को लेकर नकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। ऐसे में आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक में 12 प्रतिशत की स्लेब में बदलाव करते हुए देश के बड़े वर्ग को राहत दी जाती है तो यह देश की अर्थ व्यवस्था को राहत देने वाला, एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने वाला और आम जन के हित का निर्णय होगा। क्योंकि इस स्लेब के अधिकांश उत्पाद एमएसएमई सेक्टर द्वारा ही तैयार किए जाते हैं और स्लेब में बदलाव होने से इन वस्तुओं की मांग बढ़ेगी और इससे सेक्टर में ग्रोथ के साथ ही लोगों को राहत मिल सकेगी।

ब्लॉग

ब्रिक्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व संतुलित दुनिया का आधार

ललित गर्ग

ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है।

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ 'कायरतापूर्ण' आतंकवादी हमला भारत की 'आत्मा, पहचान और गरिमा' पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है। ब्रिक्स एक ऐसा बहुपक्षीय मंच है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग, वैश्विक विकास और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बल देता है। ब्रिक्स समिट काफी सफल एवं निर्णायक रहा है।

ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये। ब्रिक्स देशों के इस सम्मेलन में एक विशेष बिंदु जो उभरकर सामने आया वह था-अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का बदलता स्वरूप और इसके कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से यह रेखांकित किया कि आतंकवाद अब किसी एक राष्ट्र की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक वैश्विक संकट बन चुका है। उन्होंने कश्मीर में हो रहे आतंकवादी हमलों, पाकिस्तान समर्थित गतिविधियों और भारत की सीमाओं पर हो रही हिंसक घटनाओं को उदाहरण के रूप में सामने रखा। मोदी ने ब्रिक्स मंच से यह भी स्पष्ट किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब आतंक का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल होता है, तो वह मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाता है।

भारत ने लंबे समय से कॉम्प्रेहेंसिव कॉन्वेंशन ऑन इन्टरनेशनल टेरिजम्स (सीसीआईटी) की पैरवी की है। इस बार ब्रिक्स मंच पर मोदी ने इस प्रस्ताव को फिर से प्रमुखता से उठाया और एक साझा परिभाषा व वैश्विक नीति की मांग की ताकि आतंकवादियों को सुरक्षा और राजनीतिक सहारा न मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी सुझाव दिया कि ब्रिक्स को एक साझा आतंकवाद निरोधी तंत्र बनाना चाहिए, जो सूचनाओं का आदान-प्रदान, निगरानी तंत्र और आतंक के वित्तपोषण को रोकने में सहयोग करे। भारत ने इस बार पाकिस्तान का नाम लिए बिना यह सिद्ध किया कि कश्मीर में आतंकवाद एक स्थानीय असंतोष नहीं, बल्कि बाहरी प्रायोजित आतंक है। ब्रिक्स देशों, विशेषकर रूस और ब्राजील ने इस बात को स्वीकारा कि कश्मीर में फैले आतंकवाद पर चिंता जायज़ है और उन्होंने भारत के दृष्टिकोण का समर्थन किया। यह कूटनीतिक जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व कौशल को रेखांकित करती है। उन्होंने न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक नैतिक और व्यावहारिक आधार भी प्रस्तुत किया।

भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करने जा रहा है। यह भारत के लिए भविष्य को गढ़ने का एक सुनहरा अवसर है। भारत अब न केवल आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि ब्रिक्स एक न्यायसंगत, सुरक्षित और आतंकवादमुक्त विश्व के निर्माण की दिशा में कार्य करे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका न केवल आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक स्वरूप में दिखाई दी, बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ कि भारत अब एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में उभर चुका है। नरेंद्र मोदी ने जिस सूझबूझ, तर्कशक्ति और साहस के साथ कश्मीर मुद्दे को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया, वह भारत की कूटनीति के नए युग की शुरुआत है। आगामी वर्ष में जब भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा, तब यह विश्वास किया जा सकता है कि न केवल भारत, बल्कि समूचा विश्व भारत की नीति, नैतिक दृष्टि और नेतृत्व क्षमता का सम्मान करेगा। इस मंच से भारत केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि मानवता, शांति और न्याय की नई इबारत लिखेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई उन्होंने कहा कि आज दुनिया को एक बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरुआत वैश्विक संस्थाओं में बदलाव से करनी होगी। मोदी ने कहा, 'बीसवीं सदी में बनाई गई वैश्विक संस्थाएं इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होती। बीसवीं सदी के टाइपराइटर इक्कीसवीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, ग्लोबल साउथ के देश अक्सर डबल स्टैंडर्ड का शिकार रहे हैं। चाहे विकास हो, संसाधनों की बात हो, या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई है। इनके बिना, वैश्विक संस्थाएं ऐसे मोबाइल की तरह हैं, जिसमें सिम कार्ड तो है लेकिन नेटवर्क नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान ज्यादा है, उन्हें फैसले लेने का हक नहीं है। यह सिर्फ प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है।

भारत का मानना था कि समान सोच वाले देशों को साथ लेकर चला जा सकता है। आनेवाले समय में ब्रिक्स दुनिया की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने लगेगा। निश्चित ही ब्रिक्स की ताकत से एक वैश्विक संतुलन स्थापित हो रहा है और अमेरिका एवं पश्चिमी देशों के अहंकार एवं दुनिया पर शासन करने की मंशा पर पानी फिरा है। हमारा भविष्य सितारों पर नहीं, जमीन पर निर्भर है, वह हमारा दिलों में छिपा हुआ है, दूसरे शब्दों में कहें तो हमारा कल्याण अन्तरिक्ष की उड़ानों, युद्ध, आतंक एवं शस्त्रों में नहीं, पृथ्वी पर आपसी सहयोग, शांति, सह-जीवन एवं सद्भावना में निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र इसलिये सारी दुनिया को भा रहा है। इसलिये बदलती हुई दुनिया में, बदलते हुए राजनैतिक हालात में सारे देश एक साथ जुड़ना चाहते हैं। ब्रिक्स का संगठन ऐसा सपना है जिसे भारत रत्न स्व. प्रणव मुखर्जी ने भारत के विदेश मन्त्री के तौर पर 2006 में देखा था। प्रणव दा बदलते विश्व शक्ति क्रम में उदीयमान आर्थिक शक्तियों की समुचित व जायज सहभागिता के प्रबल समर्थक थे और पुराने पड़ते राष्ट्रसंघ के आधारभूत ढांचे में रचनात्मक बदलाव भी चाहते थे। इसके साथ ही वह बहुधुरवीय विश्व के भी जबर्दस्त पक्षधर थे जिससे विश्व का सकल विकास न्यायसंगत एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो सके। अब नरेन्द्र मोदी ने इसमें सराहनीय भूमिका निभाई है। उनके दूरगामी एवं सूझबूझ भरे सुझावों का ब्रिक्स देशों ने लोहा माना है। ब्रिक्स संगठन में भारत का वर्चस्व चीन की तुलना में बढ़ा है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता एवं कूटनीति का परिणाम है।

अजब-गजब

टेबल पर रेंगता दिखा कॉकरोच, लड़की ने पकड़ा और बर्गर में दबाकर खा लिया

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखकर हर कोई भौचक्का रहा गया है. आमतौर पर कॉकरोच को देखते ही कई लड़कियों की चीख निकल जाती है, लेकिन वायरल हो रहे इस वीडियो में रेस्टोरेंट में बैठी एक लड़की ने जो किया, वह यकीनन किसी के भी होश उड़ा सकता है।

वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि एक लड़की में रेस्टोरेंट में अपना बर्गर एन्जॉय कर रही है। लेकिन तभी उसकी टेबल पर एक कॉकरोच रेंगता हुआ आ गया। जाहिर है, आप अब यही सोचेंगे कि लड़की तो डर के मारे चीख उठेगी और वहां से भाग जाएगी। लेकिन अगले ही पल जो कुछ हुआ, उसने हर किसी को चौंका दिया।

वीडियो में आप देखेंगे कि लड़की बिना किसी घबराहट या हिचकिचाहट के उस कॉकरोच को उठाती है, और फिर उसे अपने बर्गर में दबाकर खाना शुरू कर देती है। जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा है। लड़की उसे खा जाती है।

@rising ltech नामक इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर हुई कुछ ही सेकंड की यह क्लिप देखकर नेटिजन्स सदमे में हैं, और अपनी आंखों पर यकीन नहीं कर पा रहे हैं। यह वीडियो इंटरनेट पर आग की तरह फैल रहा है, और नेटिजन्स इस पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। कुछ लोग इसे 'साहसी' बता रहे हैं, तो कुछ ने इसे 'घिनौना' और 'अविश्वसनीय' करार दिया है। कुल मिलाकर लड़की की इस हरकत ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है, और यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

एक यूजर ने कमेंट किया, दीदी को एक्स्ट्रा प्रोटीन चाहिए होगा। दूसरे ने कहा, ई गोला छोड़ने का वक्त आ गया है। एक अन्य यूजर ने लिखा, मुझे तो उल्टी वाली फीलिंग आने लगी। एक और यूजर ने कहा, थाईलैंड में ये आम बात है।

'बेटे ने पीटा, दे रहा जान से मारने की धमकी...' योगी सरकार के मंत्री ने बेटे-बहू पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में भारतीय स्टेट बैंक (SBI) से रिटायर्ड और वर्तमान में कोऑपरेटिव फेडरेशन लखनऊ के डिप्टी चेयरमैन (दर्जा प्राप्त मंत्री) रमाशंकर जायसवाल ने अपने बेटे रोहित जायसवाल और बहू वर्धा त्रिपाठी पर उत्पीड़न और मारपीट का गंभीर आरोप लगाया है। इस मामले में गोरखनाथ पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।गोरखपुर के राजेंद्र नगर निवासी रमाशंकर जायसवाल ने पुलिस को तहरीर दी।

उन्होंने तहरीर में बताया कि उनका दूसरा बेटा रोहित जायसवाल गलत संगत और शराब की लत का शिकार है। रोहित अक्सर नशे में धुत होकर घर में गाली-गलौज और मारपीट करता है, जिससे परिवार का माहौल हमेशा खराब रहता है। रमाशंकर ने बताया कि उनकी बहू वर्धा त्रिपाठी भी रोहित का साथ देती हैं और दोनों मिलकर परिवार वालों को परेशान करते हैं। रमाशंकर के मुताबिक, उन्होंने तंग आकर रोहित और वर्धा को घर से अलग रहने की सलाह दी थी, ताकि परिवार में शांति बनी रहे। लेकिन इस बात से गुस्साए रोहित और वर्धा ने उनके साथ मारपीट की। रमाशंकर ने किसी तरह खुद को कमरे में बंद कर अपनी जान बचाई।

बेटे-बहू के खिलाफ केस दर्ज कराया

रमाशंकर ने पुलिस को बताया कि रोहित ने साफ-साफ धमकी दी है कि वह घर नहीं छोड़ेंगे और ज्यादा दबाव बनाने पर उनकी हत्या कर देगा। इसके अलावा, बहू वर्धा त्रिपाठी भी उन्हें झूठे केस में फंसाने की धमकी दी है। इन धमकियों और लगातार उत्पीड़न से परेशान होकर रमाशंकर ने गोरखनाथ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। गोरखनाथ क्षेत्र के सीओ रवि सिंह ने बताया कि रमाशंकर जायसवाल की तहरीर के आधार पर रोहित जायसवाल और वर्धा त्रिपाठी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

मारपीट और गाली गलौज का लगाया आरोप

पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। गोरखनाथ थाने के इंस्पेक्टर ने बताया की रमाशंकर जायसवाल ने तहरीर देकर बहू और बेटे पर मारपीट और गाली गलौज का आरोप लगाया। मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। रमाशंकर जायसवाल ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि रोहित की हरकतों से पूरा परिवार परेशान है। शराब की लत और गलत संगत की वजह से वह आए दिन घर में अशांति फैलाता है। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि रोहित और वर्धा के व्यवहार से घर में तनाव का माहौल बना रहता है।

एक कुर्सी पर दो अफसर... कोर्ट स्टे मिलने के बाद सीएमओ कार्यालय में जमे हरिदत्त नेमी, पहुंची पुलिस

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। शहर के पूर्व सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी और जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। मंगलवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कानपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. हरिदत्त नेमी को निलंबित किए जाने के आदेश पर रोक लगा दी है।

इसके बाद बुधवार सुबह 9:30 बजे निलंबित सीएमओ डॉक्टर हरिदत्त नेमी ने रामादेवी स्थित श्याम कार्यालय में पहुंचकर कुर्सी का कब्जा कर लिया है। वर्तमान सीएमओ डॉक्टर उदयनाथ उनके पास वाली कुर्सी में ही सीएमओ कार्यालय में बैठे हैं। हालांकि, विवाद की आशंका में चकेरी पुलिस बड़ी संख्या में सीएमओ कार्यालय में मौजूद है। 14 दिसंबर शहर में ज्वाइनिंग करने वाले सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी और डीएम जितेन्द्र प्रताप सिंह के बीच लगातार विवाद की बात सामने आ रही थी, जिस पर 19 जून को विराम लग गया और तत्कालीन सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी को निलंबित कर दिया गया था। निलंबन की कार्रवाई के बाद पूर्व सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी ने अपने सरकारी आवास पर पत्रकार वार्ता कर डीएम पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने डीएम पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने और भ्रष्टाचार में शामिल होने का दबाव बनाने सहित कई आरोप लगाते हुए कोर्ट जाने की बात कही। डीएम और सीएमओ के विवाद में भाजपा का भीतरघात भी सामने आया था। जहां विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और एमएलसी अरुण पाठक और विधायक सुरेंद्र मैथानी सीएमओ के पक्ष में खड़े हुए थे। वहीं, दूसरी ओर विधायक अभिजीत सिंह सांगा और महेश त्रिवेदी ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को पत्र लिखकर डीएम की पैरवी की थी।

आधी रात को चुपके से प्रेमिका के घर में घुसा युवक... चोर समझकर गांव वालों ने पकड़ा, फिर कर दी मुराद पूरी

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में प्रेमिका से मिलने गए प्रेमी को चोर समझकर ग्रामीणों ने पकड़ लिया। पूछताछ के बाद जब पता चला कि घर में घुसा युवक चोर नहीं बल्कि युवती का आशिक है तो पंचायत के बाद दोनों की शादी करा दी गई। गांव वालों की मौजूदगी में प्रेमी-प्रेमिका का विवाह होने के बाद ये मामला चर्चा का विषय बन गया। इस शादी में लड़के और लड़की दोनों पक्ष के लोग शामिल थे।

दरअसल, ये मामला सरपतहां थाना क्षेत्र के करीमपुर खुर्द गांव का है। अनुसूचित जाति की युवती रूबी से मिलने सोमवार की रात उसका प्रेमी विकास उसके घर गया था। रात होने पर प्रेमी चुपके से प्रेमिका के घर में घुसा। लेकिन इसी बीच किसी ने उसे देख लिया। चोर समझकर जब परिजन चिल्लाने लगे तो आसपास के लोगों ने उसे पकड़ लिया। युवक को पकड़ने के बाद उससे पूछताछ की गई तो उसकी पहचान खुटहन थाना क्षेत्र के पनौली गांव निवासी विकास पासवान के रूप में हुई।

प्रेमिका से मिलने आया था युवक

युवक ने बताया कि वह चोरी करने के लिए घर में नहीं घुसा था। बल्कि अपनी प्रेमिका रूबी से मिलने के लिए आया था। दोनों करीब एक साल से एक दूसरे से प्यार करते हैं। इस पर जब युवती से पूछा गया तो उसने भी प्रेम प्रसंग की बात स्वीकार कर ली और प्रेमी के साथ जीने मरने की कसमें खाने लगी। युवक को पकड़ने के बाद उसके घर वालों को जानकारी दी गई और बुलाया गया।

क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी शादी

मंगलवार को युवक के परिजनों समेत गांव के कुछ अन्य लोग भी प्रेमिका के घर पहुंचे। पंचायत के बाद दोनों परिवारों की सहमति देखते हुए गांव के ही ब्रह्म बाबा देव स्थान पर प्रेमी-प्रेमिका की शादी करा दी गई। इस दौरान विकास ने प्रेमिका रूबी की मांग में सिंदूर भरकर सबके सामने उसे अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया। अब ये शादी क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

शिक्षक का आरोप जांचकर्ता अधिकारी को रिश्वत न देने पर लगाया गलत रिपोर्ट का आरोप

बहेड़ी-बरेली। ब्लॉक दमखोदा के प्राथमिक विद्यालय मनकापुर में तैनात शिक्षक मोर किशोर ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए शिकायत पत्र में बताया कि उनकी तैनाती प्राथमिक विद्यालय मनकापुर में सहायक अध्यापक के तौर पर है। उनका कहना है कि उसे किसी शरारती तत्वों ने उन्हें किसी झूठे मुकदमे में फंसा दिया था जिसके मामले में वह न्यायालय में जमानत के अरजी के लिए गए थे तो एक दिन का अवकाश लेकर गए थे। फिर भी विभाग ने उनका निलंबन कर दिया था तथा इस मामले की जांच भुता खंड शिक्षा अधिकारी शशांक शुक्ला को सौंपी गई थी। सहायक अध्यापक का आरोप है कि उन्होंने अपनी छुट्टी के पूरे साक्ष्य प्रस्तुत किए थे लेकिन जांच अधिकारी द्वारा रिश्वत मांगे जाने पर वह नहीं दे पाए जिस पर जांच अधिकारी ने गलत रिपोर्ट लगा दी।

फाइनेंस करा कर दामाद को दी थी बाइक, पहुंचे ठग, कहा– किश्त जमा नहीं हुई और बाइक लेकर हो गए फरार

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर. साइबर ठग ठगी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। अब एक नया मामला उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के सैदपुर थाने से सामने आया है, जहां परिजनों ने अपनी बेटी की शादी में एक बाइक फाइनेंस पर लेकर दहेज में थी। इसके बाद जब बाइक की किश्त जमा करने का वक्त आया तो साइबर ठग ने फाइनेंस कंपनी का एजेंट बनकर उनसे करीब 26000 रुपए ले लिए। मामले का खुलासा तब हुआ जब कंपनी के एजेंट ने बाइक जब्त कर ली। भदैला गांव के रहने वाले किसान पप्पू राजभर के बेटे मोनू राजभर ने इस मामले में शिकायत की। उन्होंने शिकायत में बताया कि उसने कुछ महीने पहले ही अपनी बहन की शादी की थी। शादी में दहेज के रूप में उन्होंने फाइनेंस पर एक बाइक दहेज में दी थी, जिसकी किश्त वो लगातार जमा करता था। बीते 16 जून को उसके घर पर 2 युवक आए

और खुद को फाइनेंस कंपनी का कर्मचारी बताते हुए ससुराल जाकर बाइक को जब्त करने की बात कही। बाइक की किश्त नहीं भरी जा रही है। ऐसे में ससुराल में बेटी का सामान बचाने की गरज से मोनू ने एटीएम से 26 हजार रुपए निकालकर उन्हें दिए।

ऐसे हुआ मामले का खुलासा

इधर रुपए देने के बाद 2 जुलाई को उनका दामाद बाइक लेकर वाराणसी जा रहा था। वहीं फाइनेंस कंपनी ने उससे उसकी बाइक लेकर जब्त कर ली और बताया कि बाइक की किश्त जमा नहीं हुई हैं, जिसके बाद उसने इसकी जानकारी ससुराल में दी तो मोनू और उसके पिता के होश उड़ गए। तब जाकर उन्हें ठगे जाने का पता चला। इसके बाद उन्होंने थाने में जाकर पुलिस को पूरी बात बताई।

जमीन गिरवी रख दी थी बाइक

उसने बताया कि उन्होंने जो 26 हजार रुपए दिए थे। वो 2 बिस्वा जमीन गिरवी रखकर दिए थे। ऐसे में अब वो दोनों तरफ से फंस गए हैं। वहीं उसने ये भी आशंका जताई कि उससे वाराणसी में जिन्होंने खुद को फाइनेंस कंपनी बताकर बाइक जब्त की है। उनका भी नाम, पता नहीं मालूम है। सिर्फ उन्होंने एक मोबाइल नंबर दिया है। ऐसे में आशंका है कि फर्जी एजेंटों के बाद संभव है कि कंपनी के नाम पर फर्जी लोगों ने उसकी बाइक छीन ली हो।

न्यायालय द्वारा हत्या की घटना से सम्बन्धित दो अभियुक्त आजीवन कारावास

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 लखनऊ द्वारा दिये गये आदेशों के क्रम में पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में जघन्य अपराधों में लिप्त अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध वैज्ञानिक विधि से साक्ष्य संकलन एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए कार्य योजना के तहत मॉनीटरिंग सेल में नियुक्त अधि-कर्म-गण पैरोकार द्वारा न्यायालय में प्रभावी पैरवी व साक्ष्य हेतु महत्वपूर्ण गवाहों को प्रस्तुत कराकर न्यूनतम समय में अधिकतम सजा दिलाये जाने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना हैदरगढ़ पर हत्या की घटना के सम्बन्ध में पंजीकृत मु0अ0सं0-236/2016 धारा 302/34 भादवि व 7 सी0एल0ए0 एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्तगण केशवराम यादव पुत्र शीतलादीन, सोनू यादव पुत्र केशवराम यादव निवासीगण करौंधिया मजरे नैपुरा थाना हैदरगढ़ जनपद बाराबंकी को उपरोक्त धाराओं में मा0 न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (ई0सी0 एक्ट) बाराबंकी द्वारा दोषसिद्ध करते हुए प्रत्येक को आजीवन कारावास व 1,00,500- 1,00,500/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया व उपरोक्त अभियुक्तगणों को धारा 323/427/506/297 भादवि में दोषमुक्त किया गया। उक्त कार्यवाही से जनता में न्याय के प्रति विश्वास बढा तथा पुलिस पैरवी के इस प्रयास की जनता द्वारा भूरि भूरि प्रशंसा की गयी। उपरोक्त अभियोग पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 लखनऊ द्वारा चलाये जा रहे महिला सम्बन्धी जघन्य सनसनीखेज अपराध के तहत चिन्हित अभियोग है। दिनांक 31-08-2016 को थाना हैदरगढ़ पर वादी रामनेवाज यादव पुत्र गुरूदयाल निवासी करौंधिया मजरे नैपुरा थाना हैदरगढ़ जनपद बाराबंकी द्वारा अभियुक्तगण 1.केशवराम यादव पुत्र शीतलादीन, 2.सोनू यादव पुत्र केशवराम यादव निवासीगण करौंधिया मजरे नैपुरा थाना हैदरगढ़ जनपद बाराबंकी के विरूद्ध स्वयं के पुत्र की बाजार में दिनदहाड़े कुल्हाडी व हथौडी से मार कर हत्या कर देने के सम्बन्ध में सूचना दी गयी।

पति ने बनाया अश्लील वीडियो, रखी घिनौनी शर्त, ससुर ने भी फिर... आगरा में शादी के 7 महीने बाद नवविवाहिता पहुंची थाने

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा से दहेज उत्पीड़न, यौन शोषण और गैर मर्द से संबंध बनाने का दबाव डालने का मामला सामने आया है। शादी के 7 महीने बाद विवाहिता के पिता ने दामाद और बेटी के ससुरालियों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। इस मामले की जांच अभी जारी है। मामला कमला नगर इलाके का है। पीड़िता के पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी की शादी नवंबर 2024 में हुई थी। शादी में करीब 1।50 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, जिसमें सोने के जेवरात, 40 लाख रुपये नकद, एक गाड़ी और फर्नीचर शामिल था। लेकिन शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल वालों ने दो करोड़ रुपये अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर विवाहिता का शारीरिक और मानसिक

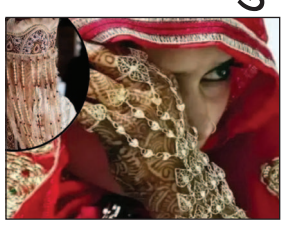

उत्पीड़न शुरू हो गया।

बेडरूम में खुफिया कैमरा और पति की धमकी

पीड़िता का आरोप है कि उसके पति ने उसे डंडे से बेरहमी से पीटा और उसके साथ अप्राकृतिक कृत्य भी किया। इससे भी बढ़कर, उसने कमरे में एक खुफिया कैमरा लगा रखा था, जिससे उसने पीड़िता के आपत्तिजनक वीडियो बना लिए। इन वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर वह लगातार उसे ब्लैकमेल करता रहा। जब पीड़िता ने इस बारे में अपनी सास और ससुर को बताया, तो उन्होंने भी उसे धमकाना शुरू कर दिया।

ससुर ने रेप, पति ने किया गला घोंटने का प्रयास

पीड़िता ने बताया कि एक दिन उसका पति उसे एक ऐसे घर में ले गया जहां पहले से एक युवक मौजूद था। पति ने उस युवक के साथ संबंध बनाने का दबाव डाला और युवक ने भी उसे धमकाया। पीड़िता किसी तरह वहां से बचकर घर पहुंची, तो उसके ससुर ने उसके साथ दुष्कर्म किया। जब पीड़िता ने इस घिनौनी करतूत की शिकायत अपने पति से की, तो उसने कथित तौर पर उसका गला घोंटने की कोशिश की। अगले ही दिन वह किसी तरह अपने मायके पहुंची और परिवार को आपबीती सुनाई। एसीपी छत्ता, पीयूष कांत राय ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत माधोटांडा में भव्य वृक्षारोपण

माधोटांडा, पीलीभीत। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा संचालित 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के अंतर्गत आज ग्राम माधोटांडा स्थित मां गोमती नदी के उद्गम स्थल पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक बाबूराम पासवान ने की।विशेष पहल के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के घर-घर जाकर सहजन के पौधे वितरित किए गए और उनके द्वारों पर वृक्षारोपण किया गया। इस अभिनव प्रयास ने न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया, बल्कि आमजन में हरियाली के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी कलीनगर महिपाल सिंह, तहसीलदार वीरेंद्र कुमार, खंड विकास अधिकारी सर्वेश कुमार, राममूर्ति सिंह, निर्भय सिंह तथा वन विभाग के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

उपाध्यक्ष राज्य महिला आयोग ने किया संयुक्त चिकित्सालय का औचक निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

बलरामपुर। उपाध्यक्ष राज्य महिला आयोग चारु चौधरी जी द्वारा जनपद के भ्रमण के दौरान विकास खंड बलरामपुर सभागार एवं पॉलिटेक्निक घुघुलपुर में चौपाल लगा महिला सशक्तिकरण योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं , उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किए जाने का कार्य किया जा रहा हैं, कन्या सुमंगला योजना , उज्ज्वला योजना , निराश्रित महिला पेंशन के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाने है।

प्रदेश सरकार द्वारा लॉ एंड ऑर्डर कायम करके महिला सुरक्षा की दिशा में विशेष कार्य किया गया है। इस दौरान उन्होंने संयुक्त जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया एवं मरीजों से वार्ता की , उन्होंने मरीजों के बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी , क्षेत्राधिकारी लालिया व अन्य संबंधित अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

काशी में डूबे घाट, बदली आरती की जगह, पंडा-पुजारी कर रहे पलायन... छत पर हो रहा अंतिम संस्कार

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। गंगा उफान पर है। दो सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गंगा का जलस्तर ऊपर की ओर आ रहा है। पक्के घाटों का संपर्क टूट जाने से गंगा घाटों पर लोगों का आवागमन बंद हो चुका है। सीढ़ियों के डूब जाने से घाटों की खूबसूरती गंगा के पानी में समा चुकी है। एहतियात के तौर पर छोटी और मझोली नावों के संचालन पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा बड़ी मोटरबोट को क्षमता से आधी ही सवारी बैठाने की अनुमति है।

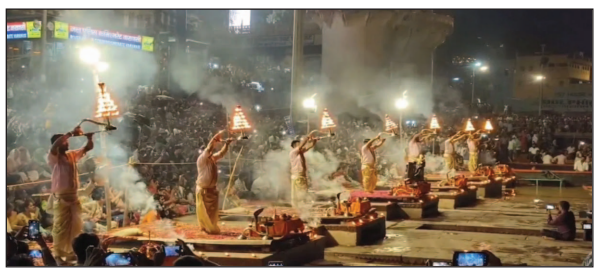

गंगा में बाढ़ की वजह से घाट से छोटे अस्थाई दुकानदार विस्थापित होने पर मजबूर हैं। पंडा-पुजारी भी रोज अपनी चौकियों और छतरी को बाढ़ से बचने के लिए ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। महाश्मशान मणिकर्णिका घाट पर 5 में से शवदाह वाले 3 प्लेटफार्म के डूब चुके हैं। अब सिर्फ 2 ही प्लेटफार्म बचे हैं। अब ऐसी परिस्थिति के लिए बनाए गए छत पर लोगों को शवदाह करना पड़ रहा है।

गंगा आरती कराने वाली संस्था 'गंगा सेवा निधि' ने बताया कि अब दशाश्वमेध घाट का विश्वप्रसिद्ध आरती स्थल भी जलमग्न हो चुका है। इसकी वजह से गंगा आरती स्थल को 8-10 फीट पीछे हटा दिया गया है। इस साल पहली बार है जब गंगा आरती का स्थल बदला गया है।

संस्था ने बताया कि जैसे-जैसे बाढ़ का पानी ऊपर आएगा वैसे-वैसे आरती की जगह बदलेगी। जगह के अभाव में आरती 7 के बजाए 5 और फिर 3 प्लेटफार्म पर ही करनी पड़ेगी। कई दिनों से गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। मंगलवार को भी जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई। दो सेंटीमीटर/घंटे की रफ्तार से जलस्तर बढ़ रहा है। फिलहाल जलस्तर 64 मीटर के पास पहुंच गया है।

आगे भी बदल सकती है जगह

आरती की जगह बदलने के बावजूद हजारों की संख्या में श्रद्धालु मां गंगा की दैनिक संध्या आरती में शामिल हुए। इस दौरान गंगा सेवा निधि के वालेंटियर एवम् सेवादार व पुलिस कर्मी सुरक्षा के लिए मौजूद रहे। इस संबंध में गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुशांत मिश्रा ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मां गंगा का जलस्तर बढ़ गया है। ऐसे में गंगा आरती का स्थान आज पहली बार परिवर्तित किया गया है।

उन्होंने बताया कि अब जैसे-जैसे गंगा का जलस्तर बढ़ेगा वैसे-वैसे स्थान बदलता जाएगा। इसके अलावा गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाटों का आपसी संपर्क भी टूट गया है। ऐसे में श्रद्धालुओं को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। दर्शनार्थियों के सुरक्षा के लिए जरूरी अनाउंसमेंट किए जा रहे है। आरती के दौरान सतर्कता बरती जा रही है।

नाविक और पुरोहित परेशान

नाविक शंभू निषाद ने बताया कि लगभग ढाई हजार छोटी-बड़ी नाव हैं। इस पर ढाई हजार नाविकों का परिवार निर्भर करता है, लेकिन बाढ़ के मौसम में 3 महीने रोजी-रोटी छिन जाती है। नाविकों से स्वेच्छा से छोटी और मझोली नाव के संचालन को रोक दिया है। सिर्फ बड़ी मोटरबोट का ही संचालन हो रहा है।

तीर्थ पुरोहितों ने बताया कि बीते एक हफ्ते से गंगा का जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है, जिसके चलते अब आरती स्थल भी डूब गया है। इस वजह से उन्हें समय-समय पर अपनी चौकी-छतरी को ऊंचाई पर ले जाकर पूजा-पाठ करना पड़ता है। इस स्थिति में बाढ़ के चलते जगह का अभाव हो जाता है।

भट्ठा मालिक की मनमानी की भेंट चढ़ गए 4 मासूम, गहरे गड्ढे. में समा गए बच्चे... डूबने से मौत

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज में 4 मासूम, भट्ठा मालिक और प्रशासन की लापरवाही की भेंट चढ़ गए। प्रयागराज के मेजा में ईंट भट्ठे के पास खुदे गड्ढे में डूबने से एक ही परिवार के 4 मासूम बच्चों की मौत हो गई। ईंट के भट्ठों के ये गड्ढे सरकारी नियमों के अनुसार नहीं खोदे गए थे। गड्ढे के अधिक गहरे होने की वजह से इसमें बारिश का पानी भर गया था।

इसी गड्ढे के पास खेल रहे चार बच्चे फिसल कर गड्ढों में गिर गए। वो बाहर निकल न सके और चारों की मौत हो गई। प्रशासन ने मामले की जांच करने की बात कही है। साथ ही भट्ठा मालिक के खिलाफ कार्रवाई की भी बात की है। हालांकि, सवाल प्रशासन पर भी उठ रहे हैं। सवाल है कि आखिर भट्ठा मालिक की मनमानी पर नजर क्यों नहीं पड़ी। समय रहते उसे क्यों नहीं चेताया गया।

प्रयागराज जिले के थाना मेजा क्षेत्र के बेदौली गांव में बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक ईंट भट्ठे के पास गड्ढे में पानी में तैरते हुए एक ही परिवार के चार मासूम बच्चों के शव मिला। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने आगे की कर्रवाई शुरू की। पहली नजर में यह प्रशासनिक लापरवाही का मामला लग रहा है।

सभी बच्चे मंगलवार दोपहर से लापता थे। परिजन रातभर बच्चों को खोजते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। बुधवार की सुबह गांव के ही लोगों ने भट्ठे के पास बने गहरे गड्ढे में चार शवों को पानी में देखा, जिससे पूरे गांव में अफ़रा-तफ़री मच गई। मृतक बच्चों में हीरा आदिवासी के 5 साल के बेटे हुनर और 4 साल की वैष्णवी, विमल कुमार का 5 साल का बेटा कंधा और संजय आदिवासी का 4 साल का बेटा केशरी शामिल हैं।

नियमों के अनुसार हुई थी खुदाई?

कहा जा रहा है कि यह ईंट भट्ठा जगत पटेल नाम के व्यक्ति का है। इसने मिट्टी निकालने के लिए अवैध रूप से गहराई तक खुदाई की थी। इसी खुदाई से बने गड्ढे में बारिश की वजह से पानी भर गया था। खेलते-खेलते चारों बच्चे उसी गड्ढे में गिर गए, जिससे उनकी डूबकर मौत हो गई।

शोक में डूबे परिजन

एक ही परिवार के चार मासूमों की असमय मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजन का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस व प्रशासन द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि डूबने से हुई मौत में चार लाख का मुआवजा सरकार देती है जिसे पीड़ित परिवार को दिया जाएगा।

रोज एक महीना खाली पेट एक कप ब्लैक कॉफी पीने से क्या होता है? एक्सपर्ट से जानें

ब्लैक कॉफी को बिना शुगर के पीने से सेहत को कई फायदे मिलते हैं। पर कभी सोचा है कि ऐसा रोजाना करने से शरीर को क्या फायदे मिलते हैं। ग्रीन टी और ब्लैक कॉफी को पीने का ट्रेंड बीते सालों में काफी बढ़ा है। चलिए आपको बताते हैं कि इसे रोज पीने से शरीर में क्या बदलाव होते हैं।

जन को मेंटेन करने से लिवर को हेल्दी रखने तक।। कॉफी हमारे शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद मानी जाती है। बीते सालों में ग्रीन टी और ब्लैक कॉफी को बिना शुगर के पीने का ट्रेंड बढ़ा है। रील्स के जमाने में लोग शॉर्ट वीडियो देखकर रोजाना खाली पेट ब्लैक कॉफी पीने लगे हैं। पर क्या आपने कभी सोचा है कि ब्लैक कॉफी को एक महीना रोजाना पीने से शरीर में क्या बदलाव आते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं। दरअसल, कॉफी में मौजूद कैफीन से हमें इंस्टेंट एनर्जी मिलती है। कई स्टडी में सामने आया है कि अगर इसके रोजाना 3 कप पिए जाए तो स्ट्रोक का खतरा भी कम होता है। हालांकि, एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं कि इसे लिमिट में पीना चाहिए क्योंकि ये गलती एंग्जायटी, सिर में दर्द या दिल की तेज धड़कनों का कारण बन सकती है।

ब्लैक कॉफी को पीने से शरीर को भले ही कई फायदे मिलते हो पर कभी आपने सोचा है कि अगर लगातार एक महीना रोजाना इसका सेवन किया जाए तो शरीर में क्या होता है। इस आर्टिकल में हम आपको यही बताने जा रहे हैं। साथ ही जाने इसमें पीने में कौन सी गलतियां भूल से भी नहीं करनी चाहिए।

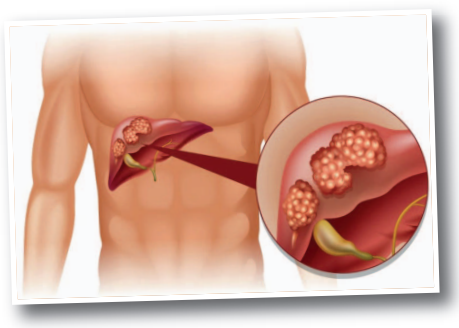

लीवर

ब्लैक कॉफी रक्त में पाए जाने वाले हानिकारक लीवर एंजाइम के स्तर को कम करने में मदद कर सकती है। लीवर को हेल्दी रखने के लिए आप ब्लैक कॉफी का सेवन कर सकते है।

क्या कहती है रिसर्च

हेल्थलाइन में बताया गया है कि कॉफी में मौजूद तत्व हमें इंस्टेंट एनर्जी देते हैं। वहीं इसे रोजाना पिया जाए तो शरीर में देर तक एनर्जी का लेवल अप रहता है। पबमेड में छपी एक रिसर्च के मुताबिक कैफीन के कारण हमें तुरंत एनर्जी मिलती है। दरअसल, शोध में शामिल लोगों को पीने के लिए कॉपी दी गई और देखा गया कि थकावट उनमें कम होने लगी।

एक्सपर्ट ने क्या बताया

एक्सपर्ट का कहना है कि फिटनेस और वेट मैनेजमेंट के लिए ब्लैक कॉफी को पीना बेस्ट है। क्योंकि इससे शरीर को एनर्जी मिलती है। डॉ। गुप्ता के मुताबिक यंगस्टर को ये दोगुने फायदे पहुंचाती है। लोग चाहे तो वजन घटाने के लिए ब्लैक कॉफी में नींबू का रस डाल सकते है। हालांकि, उन्होंने बताया कि जिन लोगों को लगातार एसिडिटी की दिक्कत रहती हो उन्हें कॉफी को किसी भी फॉर्म में पीने से बचना चाहिए। एक्सपर्ट के मुताबिक इस दौरान पित्त दोष एक्टिव होता है इसलिए ब्लैक कॉफी को पीने से बचें।

एक महीना रोजाना ब्लैक कॉफी पीना

टाइप 2 डायबिटीज- कई रिसर्च में सामने आया है कि रोजाना सिर्फ एक कप ब्लैक कॉफी पीने से टाइप-2 डायबिटीज का खतरा कुछ हद तक कम हो जाता है।

हेल्थलाइन के मुताबिक कॉफी हमारे पैनक्रियाज में बीटा सेल्स के फंक्शन को ठीक से चलने में मदद करती है। ये सेल्स इंसुलिन के प्रोडक्शन में अहम रोल निभाते है। इसलिए कॉफी के जरिए ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में काफी मदद मिलती है।

ब्रेन हेल्थ को फायदा- ये भी पाया गया है कि ब्लैक कॉफी को पीने से भूलने जैसी बीमारी अल्जाइमर का खतरा कम होता है। इसलिए आप डेली इसे पीते हैं तो आने वाले समय में दिमाग से जुड़ी दिक्कतों से कुछ हद तक बचा जा सकता है।

वेट मैनेजमेंट- कॉफी पोषक तत्वों का भंडार है इसलिए ये वेट मैनेजमेंट में बेस्ट मानी जाती है। इसका सेवन अगर सही तरीके से किया जाए तो गट हेल्थ ठीक रहती है और मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है। बताया जाता है कि जिनका मेटाबॉलिज्म सही रहता है उन्हें वजन बढ़ने की समस्या तंग नहीं करती। अगर आप रोज फिजिकल एक्टिविटी के रूटीन में एक कप ब्लैक कॉफी को शामिल करते हैं तो दोगुने फायदे मिलते हैं।

स्किन को फायदा- कॉफी का सेवन न सिर्फ हमारे शरीर को फायदा पहुंचाती है बल्कि स्किन भी ग्लो करती है। लिवर और दूसरे ऑर्गन की हेल्थ ठीक रहने का असर हमारी स्किन पर भी पड़ता है। इसलिए आप ब्लैक कॉफी के रूटीन को फॉलो करते हैं तो स्किन भी नेचुरली डिटॉक्स हो पाती है। ऐसे में ग्लो, एक्ने और पिंपल से छुटकारा और सीबम प्रोडक्शन में कंट्रोल जैसे कई बेनिफिट्स मिलते हैं।

मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है

ब्लैक कॉफी में कैफीन होता है, यह एक नेचुरल स्टीमूलेंच है, जो मेटाबॉलिज्म रेट को बढ़ाता है। इसे खाली पेट पीने से आपका मेटाबॉलिज्म तेज हो सकता है, जिससे आपके शरीर को ज्यादा अच्छे तरह से कैलोरी जलाने में मदद मिलती है।

पाचन में सुधार करे

ब्लैक कॉफी पेट में एसिड के प्रोडक्शन को स्टीमूलेट करती है, जो पाचन में सहायता करती है। साथ ही यह विभिन्न पाचन समस्याओं को रोकने और हेल्दी गट को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है।

शारीरिक प्रदर्शन बेहतर करे

सुबह खाली पेट ब्लैक कॉफी पीने से इसमें मौजूद कैफीन एड्रेनालाईन के स्तर को बढ़ाता है, जिससे आपका शरीर शारीरिक परिश्रम के लिए तैयार होता है। ऐसे में एक्सरसाइज से पहले इसे पीने से वर्कआउट के दौरान आपके फिजिकल परफॉर्मेंस में सुधार हो सकता है।

कुछ बीमारियों का खतरा कम करे

कुछ अध्ययनों से पता चला है कि ब्लैक कॉफी के नियमित सेवन से टाइप 2 डायबिटीज, अल्जाइमर और कुछ प्रकार के कैंसर सहित कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

इस तरह करें असली और नकली कोल्हापुरी चप्पल की पहचान, काम आएंगे ये टिप्स

पीछे कुछ समय से कोल्हापुरी चप्पल इंटरनेट में बहुत ट्रैंड मे है. क्योंकि हाल ही में इतालवी फैशन हाउस 'प्राडा' ने अपने एक फैशन शो में कोल्हापुरी चप्पल जैसी दिखने वाली चप्पलें अपने शो दिखाई। लेकिन कोल्हापुरी चप्पलें भारत में काफी पुरानी है। यह महाराष्ट्र में ज्यादा प्रसिद्ध हैं। कोल्हापुरी चप्पल अपने डिजाइन, लंबे समय तक चलने और पारंपरिक कारीगरी के लिए बहुत प्रसिद्ध है।

इन चप्पलों का इतिहास बहुत पुराना है। कोल्हापुरी चप्पलों को हाथ द्वारा की गई कारीगरी से बनाई जाती है। जिसमें सिलाई से लेकर चप्पल पर डिजाइन बनाना सभी चीजें शामिल है। साथ ही अच्छी क्वालिटी की लेदर का उपयोग किया जाता है। जिससे ये लंबे समय तर चले। लेकिन आजकल बाजार में आपको कोल्हापुरी चप्पल बहुत देखने को मिल जाएंगे, लेकिन हर कोई असली नहीं होती। यानी की उसे हाथ की जगह मशीन से बनाया जाता है और लेदर की क्वालिटी भी सही नहीं होती है। जिसके कारण ये जल्दी टूट या खराब हो सकती हैं। इसलिए अगर आप भी कोल्हापुरी चप्पल खरीदने जा रहे हैं, तो आप इस तरह से असली और नकली कोल्हापूरी चप्पलों की पहचान कर सकते हैं।

लेदर की क्वालिटी

असली और नकली कोल्हापुरी चप्पल की पहचान करने के लिए आपको उनकी लेदर की क्वालिटी पर ध्यान देना चाहिए। अच्छी क्वालिटी की लेदर से तैयार की गई चप्पल असली होती है और यह थोड़ी महंगी होती है। इसे अलावा नकली चप्पलों में अक्सर प्लास्टिक या फिर सिंटेथिक चीजों का उपयोग किया जाता है। अच्छी क्वालिटी का लेदर हल्का, लचीला और टिकाऊ होता है।

हाथ से बनाई जाने वाली

कोल्हापुरी चप्पलों को हाथ से बनाया जाता है, इसलिए इनकी सिलाई, कटाई और डिजाइन में एक खास कारीगरी दिखाई देती है। वहीं मशीन से बनी हुई चप्पल में हर जोड़ एकदम एक जैसे दिखाई देते हैं। इन दोनों की फिनिशिंग फर्क दिखाई दे जाएगा। असली चप्पल में कभी-कभी मोटे और छोटे असमान हिस्से हो सकते हैं।

डिजाइन

असली कोल्हापुरी चप्पल पारंपरिक डिजाइन जैसे कि टी-शेप स्ट्रैप, रंगीन धागे, मिरर वर्क और लेस के साथ आती है। वहीं जगह के मुताबिक इसमें डिजाइन शामिल किया जाता है। वहीं नकली चप्पलों में ये डिजाइन अलग या फिर अधूरे हो सकते हैं। यह फैक्ट्री स्टाइल में होते हैं, जिसमें हाथ से बनी हुई बारीकी नहीं दिखाई देती है।

वजन से जानें

असली कोल्हापुरी चप्पल हल्की और आरामदायक होती हैं। साथ ही नरम भी होती है। इसके अलावा नकलीचप्पलेंभारी और कठोर हो सकती हैं। जिसे पहने के बाद कंफर्टेबल महसूस हो सकता है। असली कोल्हापूरी चप्पलों को बनाने में समय और मेहनत ज्यादा लगती है इसलिए यह थोड़ी महंगी होती है। लेकिन नकली चप्पल मशीन में बनाई जाती है, तो इसलिए यह आपको बहुत सस्ती में मिल जाएंगी।

क्या ज्यादा पसीना निकलना वेट लॉस में हेल्प करता है? एक्सपर्ट ने बताया सच

कई लोग इसे लेकर खुश हो जाते हैं कि शायद ज्यादा पसीना बहने से उनका वजन तेजी से कम हो रहा है। लेकिन क्या सच में ज्यादा आने से वजन घटाने में हेल्पफुल है। या फिर ये सिर्फ एक भ्रम है? आइए जानते हैं एक्सपर्ट्स का इस पर क्या कहना है।

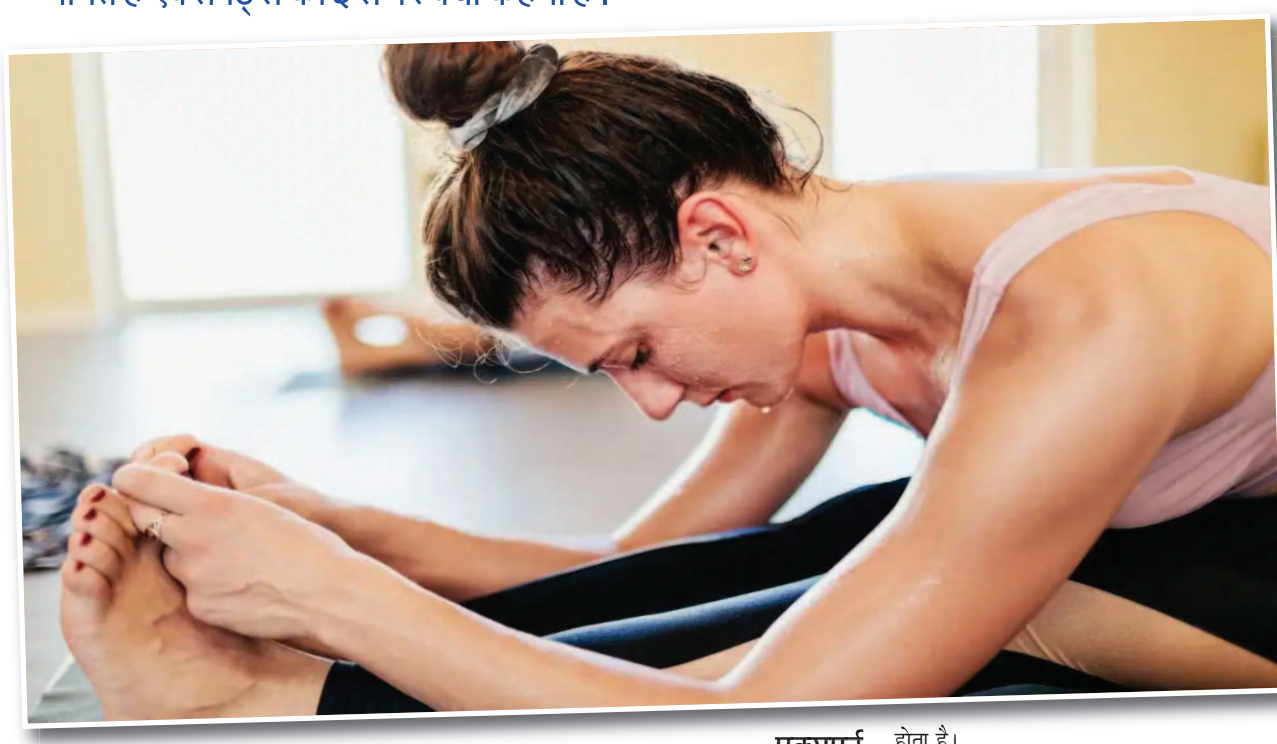

गर्मियों में या फिर वर्कआउट के दौरान शरीर से खूब पसीना निकलता है, और अक्सर लोग मान लेते हैं कि ज्यादा पसीना बहने का मतलब है ज्यादा फैट बर्न हो रहा है या तेजी से वजन घट रहा है। यही वजह है कि कुछ लोग वजन कम करने के लिए घंटों तक गर्म कपड़े पहनकर वर्कआउट करते हैं या स्टीम रूम में समय बिताते हैं ताकि ज्यादा पसीना निकले। वेट लॉस करने वाले लोग सोचते हैं कि ज्यादा से ज्यादा पसीना बहाना ही फैट बर्न का जरिया है। वो लोग थ्रेडमील पर घंटो चलते हैं, तो कई लोग तो इसी कोशिश में लगे रहते हैं कि हम वर्कआउट के दौरान ज्यादा से ज्यादा पसीना निकाल सकें।

लेकिन क्या वाकई पसीना बहाना वजन घटाने की निशानी है? क्या इससे फैट कम होता है या यह सिर्फ एक भ्रम है? चलिए इस आर्टिकल में एक्सपर्ट से जानते हैं कि क्या ज्यादा पसीना निकलना वेट लॉस कम करने में हेल्प करता है। या ये सिर्फ एक भ्रम है।

एक्सपर्ट क्या कहते हैं?

डायटिशियन रजत जैन कहते हैं ये समझना बहुत जरूरी है कि पसीना आना एक नेचुरल प्रोसेस है। पसीने से बॉडी का टेम्प्रेचर मेंटेन रहता है । यानी ये बॉडी को कुलिंग टेम्प्रेचर देता है। जब आपको बहुत ज्यादा पसीना आ रहा है को उससे आपका वॉटर लॉस होता है। इलेक्ट्रोलाइट्स लॉस हो रहे हैं। ना कि आपका फैट लॉस हो रहा है। रजत जैन आगे कहते हैं कि अगर आपको बहुज ज्यादा पसीना आ रहा है और फिर आपको अपने वजन में कुछ अंतर दिख रहा है तो टैमप्रेरी वेट लॉस हुआ है।

लेकिन जब आप फिर से पानी या कुछ लिक्विड का सेवन करेंगे तो वापस से बाउंस बैक हो जाएगा। अगर सिर्फ पसीने निकलने से ही वेट लॉस होता तो वर्कआउट, जिम डाइट का कोई मतलब ही नहीं होता। लोग सिर्फ पसीना निकालकर ही वेट लॉस कर लेते हैं। इसलिए ये सवाल कहीं से भी जायज नहीं है कि पसीना निकलने से वेट लॉस होता है।

ज्यादा पसीना क्यों आता है?

हर इंसान का बॉडी टाइम अलग होता है। कुछ लोगों को जेनेटिकली ज्यादा पसीना आता है, तो कुछ को कम। पसीना आना इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप किस तरह की एक्टिविटी कर रहे हैं, कितना तापमान है और आपकी हाइड्रेशन स्टेटस क्या है।। इसलिए किसी को ज्यादा पसीना आना जरूरी नहीं कि वह ज्यादा कैलोरी बर्न कर रहा है।

वेट लॉस के लिए क्या है जरूरी?

रजत जैन कहते हैं कि अगर आपको सच में अपना वेट लॉस करना है तो उसके लिए 3 चीजें बहुत जरूरी है। जिसमें से पहला है वर्कआउट करना। आपको रेगुलर बेस्ड पर वर्कआउट करना है। दूसरा सा डाइट डेफिसिट यानी जितनी कैलोरी आप एक दिन में बर्न करते हैं, उससे कम कैलोरी का सेवन करना और तीसरा है प्रोपर और बैलेंस्ड डाइट लेना। इन तीनों से आप वेट लॉस कर सकते हैं न की पसीना बहाकर ।

शराब पीकर ट्रेन में न करें सफर, जानें पकड़े जाने पर कितनी होती है सजा और कितना है जुर्माना

अगर आप भी भारतीय ट्रेन से सफर करने का प्लान कर रहे हैं, तो भूलकर भी ट्रेन या रेलवे परिसर में शराब न पिएं और साथ ही शराब का सेवन करके ट्रेन से यात्रा न करें। वरना आप दिक्कत में पड़ सकते हैं।

भारतीय रेलवे रोजाना कई ट्रेनों का संचालन करता है जिसकी वजह से लोग गंतव्य तक पहुंच पाते हैं। ट्रेन में यात्रा करने के लिए आपको बस ट्रेन टिकट लेना होता है जो ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से लिया जा सकता है। बस अगर आप ट्रेन से यात्रा कर रहे हैं, तो इस दौरान आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होता है और नियमों का पालन करना होता है।

दरअसल, भारतीय रेलवे द्वारा कई तरह के नियम बनाए गए हैं जो यात्रियों के लिए भी हैं। पर कई बार यात्री ऐसी कोई गलती कर देते हैं जिसके कारण उन्हें जुर्माना तक देना पड़ जाता है। इसलिए आप ऐसी गलती करने से बचें। जैसे, ट्रेन में शराब पीकर सफर करना। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपके ऊपर उचित कार्रवाई हो सकती है और आपको जुर्माना भरना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं ये नियम क्या है और इसमें कितना जुर्माना लग सकता है। आगे आप इस बारे में जान सकते हैं...

हल्के में न लें इसे

अगर आप ट्रेन में शराब पीकर सफर करते हैं और इस दौरान हंगामा करते हैं या किसी से लड़ते हैं आदि। ऐसे में ये दंडनीय अपराध माना जाता है। अगर आप ऐसे में पकड़ जाते हैं तो आपके ऊपर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। इसलिए कभी भी ट्रेन में या रेलवे परिसर में शराब का सेवन न करें और न करके जाएं।

क्या है सजा?

ट्रेन में अगर कोई यात्री शराब पीकर यात्रा करता हुआ पकड़ा जाता है तो उस पर कार्रवाई हो सकती है। रेलवे एक्ट की धारा 145 के तहत उस पर उचित कार्रवाई हो सकती है जिसमें 6 महीने की जेल या 500 रुपये जुर्माने का प्रावधान है। यही नहीं, पकड़े गए यात्री को ये दोनों भी हो सकते हैं।

ट्रेन से उतारा भी जा सकता है

अगर कोई यात्री शराब पीकर यात्रा करते हुए पकड़ा जाता है तो आपको ट्रेन से उतारा भी जा सकता है। रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स और ट्रेन स्टाफ आपको बीच सफर में ही उतार सकती है। इसलिए कभी भी ट्रेन में शराब पीकर यात्रा न करें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

ट्रेन में रात के समय मोबाइल के स्पीकर पर तेज आवाज में गाना न चलाएं, वरना आपकी शिकायत हो सकती है और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई भी हो सकती है

रात के समय मोबाइल के स्पीकर पर तेज आवाज में किसी कॉल पर बात करने से बचना चाहिए आदि।

शराब बनाने वाली कंपनी का कमाल, 1 लाख को बना दिया डेढ़ करोड़

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव तो आम बात है, लेकिन कुछ स्टॉक्स ऐसे भी होते हैं जो लंबे समय में जबरदस्त कमाई कराते हैं. ऐसी ही एक कंपनी है एसोसिएटेड अल्कोहल्स एंड ब्रेवरेज लिमिटेड जो शराब बनाती है। इस कंपनी के शेयर ने पिछले कुछ सालों में निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस शेयर में जिसने भी एक लाख का निवेश किया है वो आज करोड़पति बन गया है। इस कंपनी के शेयर की कीमत इस समय 1100 से भी ऊपर चल रही है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक समय पर यही शेयर ₹10 से भी नीचे मिल रहा था? अब यही शेयर उन लोगों के लिए करोड़ों की संपत्ति बन चुका है, जिन्होंने इसमें समय पर निवेश किया और धैर्य रखा।

शेयर का हाल

बुधवार को शेयर बाज़ार में थोड़ी गिरावट देखी गई और एसोसिएटेड अल्कोहल्स के शेयर करीब 1,175।90 रुपए पर कर रहे है।पिछले एक साल में ही इस शेयर ने करीब 74% का रिटर्न दिया है। एक साल पहले इसकी कीमत ₹678 थी और अब यह ₹1180 तक पहुंच चुकी है। इस दौरान शेयर का 52 हफ्ते का हाई 1496 भी रहा।

अगर दो साल की बात करें, तो इस अवधि में इसने लगभग 180% का रिटर्न दिया है। यानी, अगर किसी निवेशक ने दो साल पहले इसमें ₹1 लाख लगाए होते, तो आज उसकी वैल्यू ₹2।80 लाख हो चुकी होती। वहीं पांच साल में इसने 368% की वृद्धि दर्ज की है। पांच साल पहले ₹1 लाख का निवेश अब बढ़कर ₹4।68 लाख बन चुका है।

1 लाख वाले ऐसे बने करोड़पति

इस स्टॉक की असली चमक तब नजर आती है जब हम इसकी 11 साल की परफॉर्मेंस देखते हैं। फरवरी 2014 में इस कंपनी का शेयर केवल ₹9 के करीब था। आज यही शेयर ₹1180 तक पहुंच गया है। यानी, इसने लगभग 13,000% से ज्यादा रिटर्न दिया है। इसका मतलब ये है कि अगर किसी ने 11 साल पहले इस स्टॉक में ₹1 लाख का निवेश किया होता, तो उसकी वैल्यू आज ₹1.30 करोड़ से भी ज्यादा हो चुकी होती। सिर्फ एक लाख रुपए के निवेश से करोड़पति बनने का इससे बेहतर उदाहरण शायद ही कोई और हो।

टैक्स वसूली में बड़ी छलांग, सरकार ने कमाए 20,000 करोड़ रुपए

मुंबई, एजेंसी। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के बीच सरकार ने इनकम टैक्स के रूप में ₹20,000 करोड़ की बकाया राशि वसूली है। यह पिछले साल की पहली तिमाही से लगभग दोगुनी रकम है। टैक्स विभाग के मुताबिक, इसमें से सबसे ज्यादा ₹17,244 करोड़ कॉरपोरेट टैक्स (कंपनियों से), ₹2,714 करोड़ व्यक्तिगत आयकर (व्यक्तियों से) और ₹180 करोड़ टीडीएस (Tax Deducted at Source) की वसूली है।

यह रकम उन लोगों से वसूली गई है जिन्हें 31 मार्च 2025 तक टैक्स डिपार्टमेंट ने नोटिस भेजे थे। अब इनकम टैक्स विभाग इस वसूली अभियान को और तेज करने की तैयारी में है।विभाग का लक्ष्य है कि पूरे वित्त वर्ष 2025 में कम से कम ₹1।96 लाख करोड़ की टैक्स वसूली की जाए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विभाग ₹2 लाख करोड़ तक की वसूली आराम से कर सकता है क्योंकि पिछले कुछ सालों में वसूली के नतीजे अच्छे रहे हैं।

विभाग अब ऐसे टैक्सपेयर्स की पहचान कर रहा है जो या तो अपनी सही आमदनी नहीं दिखा रहे या फिर जानबूझकर टैक्स नहीं दे रहे हैं। इसके लिए CBDT ने अपने फील्ड ऑफिसों को अलग-अलग ज़ोन के हिसाब से वसूली के लक्ष्य दिए हैं। खास फोकस उन मामलों पर है जिनमें कोर्ट का फैसला सरकार के पक्ष में आया है।

2024-25 में अब तक ₹1.96 लाख करोड़ की टैक्स मांग ऐसे मामलों में तय हुई है जिनमें सरकार का पक्ष मजबूत रहा। इस साल अब तक कुल ₹92,400 करोड़ की वसूली की जा चुकी है — जिसमें ₹67,711 करोड़ कॉरपोरेट टैक्स, ₹23,536 करोड़ व्यक्तिगत टैक्स और ₹1,100 करोड़ टीडीएस से संबंधित है।

कितना बकाया है टैक्स

हालांकि टैक्स बकाया की कुल रकम सरकार के लिए बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है। संसद की एक रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर 2024 तक टैक्स बकाया बढ़कर ₹42 लाख करोड़ पहुंच गया है, जो कि 2019-20 में केवल ₹10 लाख करोड़ था। अब विभाग इस में से कम से कम ₹27 लाख करोड़ वसूलने का प्लान बना रहा है।सरकार का यह वसूली अभियान राजस्व बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है और आने वाले महीनों में इसे और सख्ती से लागू किया जाएगा।

सबसे ज्यादा इन शहरों के लोगों के हुई वसूली

इनकम टैक्स ने सबसे ज्यादा वसूली मुंबई और दिल्ली के टैक्सपेयर्स से की है। इसमें 29 फीसदी मुंबई और 21 फीसदी दिल्ली के टैक्सपेयर्स शामिल हैं।

पकड़ो और सीधे गोली मारो...बांग्लादेश में शेख हसीना का सबसे खतरनाक ऑडियो वायरल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में पिछले साल हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों में लगभग 1500 लोगों की मौत हुई थी। इन में ज्यादातर वो थे, जो सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। जिसके बाद विरोध प्रदर्शनों ने इतना भयानक रूप ले लिया था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। अब BBC की ओर से एक ऑडियो जारी किया गया है, जिसमें शेख हसीना प्रदर्शनकारियों पर घातक कार्रवाई करने का आदेश देती नजर आ रही हैं।

मार्च में ऑनलाइन लीक हुए इस ऑडियो में, हसीना कहती हैं कि उन्होंने अपने सुरक्षा बलों को प्रदर्शनकारियों के खिलाफ घातक हथियारों का इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी और जहां कहीं भी वे (उन्हें) पाएंगे, गोली मार देंगे। इस

ऑडियोको बांग्लादेश के अभियोजक शेख हसीना के खिलाफ अहम सबूत के तौर पर इस्तेमाल करने की योजना बना रहे हैं। बता दें, शेख हसीना पर पहले से ही मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए एक विशेष न्यायाधिकरण में मुकदमा चल रहा है।

अवामी लीग ने आरोपों को किया खारिज

भारत भाग गईं हसीना और उनकी पार्टी ने उनके खिलाफ सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। अवामी लीग पार्टी के प्रवक्ता ने इस बात से इनकार किया कि टेप में शेख हसीना ने कोई गैरकानूनी बात की थी।

पकड़ो और सीधे गोली मारो...

हसीना की एक अज्ञात वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के साथ हुई बातचीत का लीक हुआ ऑडियो अब तक का सबसे अहम सबूत है कि उन्होंने सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने की सीधी इजाजत दी थी। ये विरोध प्रदर्शन 1971 के स्वतंत्रता संग्राम में लड़ने वालों के रिश्तेदारों के लिए सिविल सेवा नौकरियों में मिलने वाले आरक्षण के विरोध में शुरू हुए थे और एक जन आंदोलन में बदल गए। जिसके बाद 15 साल से सत्ता पर काबिज हसीना को सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। 1971 के बाद बांग्लादेश में ये सबसे बड़ा खूनी संघर्ष था।

इजराइल-अमेरिका से मार खाने के बाद सऊदी से दोस्ती बढ़ाने में लग गया ईरान...जेद्दा में हुई बैठक

तेल अवीव, एजेंसी। बेंजामिन नेतन्याहू की अमेरिका यात्रा के बीच ईरान के विदेश मंत्री सऊदी अरब पहुंचे हैं। जब अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ नेतन्याहू ईरान और गाजा मुद्दे पर चर्चा कर रहे थे, उसी दिन सऊदी के जेद्दा शहर में भी क्षेत्र की स्थितियों पर चर्चा चल रही थी। मंगलवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने जेद्दा में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात की है।

इजराइल के साथ युद्ध के बाद खाड़ी देशों में किसी शीर्ष ईरानी अधिकारी की पहली यात्रा है। इस यात्रा को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। क्योंकि अमेरिका मध्य पूर्व में अमेरिका का बड़ा सहयोगी है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाघेई ने कहा कि मंगलवार को प्रिंस मोहम्मद और अन्य सऊदी अधिकारियों के साथ अराघची की बातचीत 'फलदायी' रही है।

युद्ध से सऊदी और ईरान के रिश्तों में नहीं आई दूरी

12 दिनों तक चले इजराइल के साथ युद्ध और अमेरिकी हमलों के बाद ये यात्रा दिखाती है कि इन घटनाओं ने सऊदी और ईरान के बीच दूरी पैदा नहीं की है। सऊदी अरब की आधिकारिक समाचार एजेंसी SPA ने बताया कि अराघची और प्रिंस मोहम्मद ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और नवीनतम क्षेत्रीय घटनाक्रमों और उस संबंध में किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की है।

SPA ने कहा, "क्राउन प्रिंस ने उम्मीद जताई कि युद्ध विराम समझौता क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता लाएगा। साथ ही किंगडम के विवादों को सुलझाने के लिए कूटनीतिक रास्ते से बातचीत का समर्थन करने के रुख पर जोर दिया।" साथ ही बताया कि अराघची ने इजराइली आक्रमण की निंदा करने के लिए राज्य के प्रति आभार व्यक्त किया है।

पहले तनावपूर्ण थे संबंध

जहां अरब देशों ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे कतर की संप्रभुता का उल्लंघन बताया, वहीं ईरान खाड़ी देशों के साथ संबंधों को सुधारने पर जोर देता दिखाई दे रहा है। क्षेत्रीय संघर्षों और कई आरोपों की वजह से तेहरान और रियाद के बीच रिश्ते सालों तक खराब रहे। लेकिन दोनों देश 2023 में चीन की मध्यस्थता में हुए समझौते के तहत औपचारिक संबंध बहाल करने पर सहमत हुए।

फ्रांस को क्या हो गया? एक-एक कर मारे जा रहे राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के विरोधी

मॉस्को, एजेंसी। फ्रांस की राजनीति में हलचल मचाने वाली एक और खबर सामने आई है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के मुखर आलोचक और वरिष्ठ सांसद ओलिवियर मार्लेक्स की संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। अधिकारियों ने इसे आत्महत्या का मामला बताया है, लेकिन इसके पीछे कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

54 वर्षीय ओलिवियर मार्लेक्स की लाश सोमवार दोपहर उनके घर की ऊपरी मंजिल पर लटकी मिली। ये घटना फ्रांस के यूर-ए-ल्वार क्षेत्र के एनेट शहर की है। स्थानीय पब्लिक प्रॉसिक्यूटर फ्रेडरिक शेवलिए के मुताबिक फिलहाल जांच में किसी तीसरे व्यक्ति की भूमिका नहीं दिखती, इसलिए यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। हालांकि,

पोस्टमार्टम रिपोर्ट 9 जुलाई को आने की उम्मीद है।

मार्लेक्स कंजरवेटिव पार्टी लेस रिपब्लिकेंस से ताल्लुक रखते थे और फ्रांसीसी संसद में लंबे समय से सक्रिय थे। वो फ्रांस की औद्योगिक नीतियों पर काम करने वाली संसदीय जांच समितियों का हिस्सा रह चुके थे। उन्होंने 2014 में अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक को फ्रांसीसी कंपनी अल्सटोम की एनर्जी यूनिट बेचने के फैसले को लेकर मैक्रों पर गंभीर आरोप लगाए थे। उस वक्त मैक्रों राष्ट्रपति नहीं बल्कि एलिसे पैलेस में डिप्टी सेक्रेटरी-जनरल थे। मार्लेक्स का दावा था कि इस सौदे में मैक्रों ने अपने तत्कालीन बॉस और अर्थव्यवस्था मंत्री अर्नो मोंतेबुर्ग की अनदेखी करते हुए यह फैसला आगे बढ़ाया।

एक और संदिग्ध मौत से जुड़ा है मामला?

मार्लेक्स की मौत ऐसे वक्त पर हुई है जब कुछ ही दिन पहले ब्रिजित मैक्रों से जुड़े प्लास्टिक सर्जन फ्रांस्वा फेवरे की मौत ने भी चर्चाओं को हवा दी थी। 58 वर्षीय फेवरे 29 जून को पेरिस में एक इमारत से गिरकर मरे पाए गए थे। अधिकारियों ने इसे भी आत्महत्या बताया, लेकिन उनकी बहन ने इस थ्योरी पर सवाल खड़े किए। बताया गया था कि फेवरे मैक्रों की पत्नी ब्रिगिट मैक्रों की लिंग पहचान से जुड़ी अफवाहों पर खुलकर बोलने वाले थे और एक इंटरव्यू देने वाले थे। इन दावों को लेकर मैक्रों दंपति पहले भी कानूनी कार्रवाई कर चुके हैं। राष्ट्रपति मैक्रों ने ओलिवियर मार्लेक्स की मौत पर दुख जताते हुए कहा है कि हमारे मतभेद जरूर थे।

इस हफ्ते रुक जाएगी गाजा जंग... ट्रंप-नेतन्याहू की मीटिंग के बाद क्या है स्थिति?

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल प्रधानमंत्री नेतन्याहू की अमेरिका यात्रा की शुरुआत से ही डोनाल्ड ट्रंप गाजा युद्ध को लेकर सकारात्मक नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि इस हफ्ते के आखिर तक दोनों पक्ष एक युद्धविराम समझौते पर पहुंच जाएंगे। मंगलवार शाम ट्रंप और नेतन्याहू ने करीब 90 मिनट तक सीजफायर और बंधक डील पर चर्चा की।

ट्रंप और नेतन्याहू के बैठक के बाद खबर है कि 60 दिनों के एक अस्थायी युद्ध विराम के लिए वार्ता जारी है। जिसका कई संगठनों द्वारा विरोध भी देखने मिला है कि गाजा में इतनी बड़े मानवीय संकट के बाद भी ट्रंप प्रशासन स्थायी सीजफायर कराने में नाकाम होता दिख रहा है। सोमवार को नेतन्याहू के वाशिंगटन पहुंचने से पहले एक्सियोस ने रिपोर्ट की थी कि ट्रंप युद्ध को खत्म करने के लिए एक

बड़े शांति समझौते पर उनके साथ सहमति बनाने की कोशिश कर रहे थे। इन बैठकों से वाकिफ एक सूत्र ने 'एक्सिओस' को बताया कि मंगलवार को ट्रंप-नेतन्याहू की मुलाकात से पहले एक कतर प्रतिनिधिमंडल व्हाइट हाउस पहुंचा और व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई घंटों तक बातचीत की। कतर, इज़राइल-हमास वार्ता में मध्यस्थता में मदद कर रहा है। इस बातचीत में किन मुद्दों पर चर्चा हुई इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ बाद कहा है कि इजराइल और हमास ने दोहा में समझौता शेष बचे चार मुद्दों में से तीन को सुलझा लिया है।

कौन से मुद्दे पर फंसा है पेच?

एक्सिओस ने सूत्र के हवाले से बताया कि सोमवार और मंगलवार को हुई बातचीत के दौरान, दोनों पक्षों ने युद्ध विराम के रोडमैप पर चर्चा की है। हमास की मांग है कि इजराइल सेना उसी सीमा पर वापस लौटे जहां मार्च में पिछला युद्धविराम टूटने से पहले थी। इजराइल ऐसा करने से इनकार कर रहा है।

प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले दो सूत्रों के मुताबिक एक मुद्दा जो अब सुलझ गया है, वह है गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाना। साथ ही बताया कि अब ये ऐड संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी द्वारा दी जाएगी न की अमेरिकी और इजराइली समर्थन वाली एजेंसियों द्वारा।

प्रधानमंत्री मोदी का ब्राजील में 'राम भजन' की मधुर धुनों के साथ किया गया भव्य स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में 'राम भजनÓ की मधुर धुनों के साथ भव्य स्वागत किया गया। रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ब्राजील की राजकीय यात्रा शुरू की।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के विशेष निमंत्रण पर पीएम मोदी ब्राजील की राजकीय यात्रा पर गए हैं। जब पीएम मोदी ब्रासीलिया के अल्वोराडा पैलेस पहुंचे तो यहां 'राम भजन' की विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ उनका स्वागत हुआ।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 2.48 मिनट का एक वीडियो साझा किया और लिखा, आधिकारिक वार्ता से पहले ब्रासीलिया के अल्वोराडा पैलेस पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत 'राम भजन' की विशेष प्रस्तुति के साथ किया गया।

वीडियो में शास्त्रीय गायिका मीता रवींद्र कुमार कराहे प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में भक्ति गीत प्रस्तुत करती नजर आईं। इस दौरान 'राम भजन' की मधुर धुनों के साथ प्रधानमंत्री मोदी भी भजन का आनंद लेते दिखे। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के साथ खड़े पीएम मोदी भजन सुनते हुए 'ताली' बजा रहे थे।

मीता रवींद्र कुमार कराहे ने कहा, मैं प्रधानमंत्री से मिली और उन्हें 'नमस्ते' कहकर अभिवादन किया। मैंने कहा कि मैं अगले दिन उनके लिए गाने जा रही हूं। मुझे यह निमंत्रण ब्राजील सरकार की ओर से मिला था।

उन्होंने बताया कि ब्राजील के लोग व्यवहार और मेहमान नवाजी में भारतीयों जैसे हैं। उन्होंने कहा, अपनी मातृभूमि से दूर रहने के बावजूद ब्राजील दूसरा भारत जैसा लगता है।

शास्त्रीय गायिका मीता ने बताया, मैंने 10-11 साल की उम्र से ही शास्त्रीय संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी थी। ब्राजील सरकार की ओर से मुझे जो निमंत्रण मिला था, उसमें लिखा था कि राष्ट्रपति लूला चाहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के देश से कोई व्यक्ति उनके पसंदीदा भजन की प्रस्तुति दे।

प्रधानमंत्री मोदी का मंगलवार को राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने ब्रासीलिया स्थित अल्वोरादा पैलेस में गर्मजोशी से स्वागत किया। पीएम मोदी की यह यात्रा रियो डी जेनेरियो में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद शुरू हुई। अपनी बातचीत के दौरान इन नेताओं ने दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने पर सहमति व्यक्त की।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा को भारत और ब्राजील के बीच रणनीतिक साझेदारी का 'मुख्य वास्तुकार' बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ब्राजील के नेता ने हमारे संबंधों को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, राष्ट्रपति लूला के साथ सार्थक बातचीत हुई, जो हमेशा भारत-ब्राजील मैत्री के प्रति भावुक रहे हैं। हमारी बातचीत में व्यापार संबंधों को गहरा करने और द्विपक्षीय व्यापार में विविधता लाने के तरीके शामिल थे। हम दोनों सहमत हैं कि आने वाले समय में इस तरह के संबंधों के पनपने की अपार संभावनाएं हैं।

उन्होंने राष्ट्रपति लूला के साथ अपनी बैठक की तस्वीरें भी साझा कीं। एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, स्वच्छ ऊर्जा, सतत विकास और जलवायु परिवर्तन पर काबू पाना भी हमारी बातचीत में चर्चा के प्रमुख विषय थे। अन्य क्षेत्र जहां हम और भी अधिक निकटता से काम करेंगे, उनमें रक्षा, सुरक्षा, एआई और कृषि शामिल हैं। स्पेस, सेमीकंडक्टर और डीपीआई में भारत-ब्राजील सहयोग से हमारे लोगों को लाभ होगा।

राष्ट्रपति लूला के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने कहा, मैं रियो और ब्रासीलिया में गर्मजोशी से स्वागत के लिए अपने मित्र राष्ट्रपति लूला को धन्यवाद देता हूं। अमेजन की सुंदरता और आपकी आत्मीयता से हम बहुत प्रभावित हुए हैं। आज राष्ट्रपति की ओर से ब्राजील के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होना न सिर्फ मेरे लिए, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए बहुत गर्व और भावना का क्षण है। मैं इस सम्मान के लिए राष्ट्रपति, ब्राजील सरकार और ब्राजील के लोगों को धन्यवाद देता हूं।

उन्होंने कहा, मेरे मित्र राष्ट्रपति लूला भारत और ब्राजील के बीच सामरिक साझेदारी के मुख्य वास्तुकार हैं। उन्होंने हमारे संबंधों को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके साथ हर मुलाकात ने मुझे दोनों देशों की प्रगति और भलाई के लिए और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया है। मैं यह सम्मान भारत के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता और हमारी स्थायी मित्रता को समर्पित करता हूं।

'हिंदी बोलूंगा, जो करना है कर लो', अब महाराष्ट्र में ऑटो ड्राइवर और बाइक वाले के बीच हुई गरमागरम बहस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में मराठी-हिंदी भाषा को लेकर राजनीतिक विवाद तो चल ही रहा है, साथ में आम जनता को मराठी बोलने पर मजबूर किया जा रहा है। ताजा मामला विरार इलाके का है जहां पर एक ऑटो रिक्शा चालक और एक बाइक वाले के बीच मराठी बोलने को लेकर तगड़ी बहस हो गई।

ये घटना विरार स्टेशन के पास हुई, जहां पर भावेश पडोलिया नाम के युवक और एक रिक्शा ड्राइवर के बीच ओवरटेकिंग को लेकर शुरू हुई मामूली बहस ने झड़प का रुप ले लिया। चश्मदीदों और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो सबूत के मुताबिक, रिक्शा चालक बार-बार कह रहा है कि मैं हिंदी और भोजपुरी में ही बात करूंगा, जो करना है कल लो। वहीं, पडोलिया ने कथित तौर पर इस बातचीत में मराठी न बोलने को लेकर उससे सवाल किया।

पडोलिया ने क्या कहा?

बाइक से जा रहे युवक ने कहा, 'मैं झांसी, उत्तर प्रदेश का रहने वाला हूं। मैं अपनी बहन के सात स्टेशन की ओर जा रहा था, तभी एक रिक्शा ड्राइवर ने मुझे ओवरटेक किया। मैंने अपनी गाड़ी किनारे खड़ी की और उससे पूछा कि तुम्हें मराठी क्यों नहीं आती? तो उसने कहा कि मैं मराठी नहीं बोलूंगा, मैं हिंदी बोलूंगा, मैं भोजपुरी बोलूंगा।'

मराठा भाषा को लेकर पहले भी हो चुका बवाल

यह घटना ठाणे में एक जुलाई को हुई घटना के बाद हुई, जिसमें राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (एमएनएस) से जुड़े लोगों ने मराठी में बातचीत से इनकार करने पर एक फूड स्टॉल मालिक को थप्पड़ मार दिया था। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ और इस घटना की निंदा करते हुए व्यापारियों ने हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और विरोध प्रदर्शन भी किया। इसके बाद पुलिस ने एमएनएस के सात लोगों को हिरासत में लिया था।

शॉर्ट्स और ब्रालेट पहनकर समंदर में आग लगाने निकलीं श्वेता तिवारी, थम गईं फैंस की नजरें

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी इन दिनों अपनी हॉट और ग्लैमरस फोटोज को लेकर जबरदस्त चर्चा में हैं। हाल ही में मॉरीशस वेकेशन से लौटीं श्वेता अब लगातार सोशल मीडिया पर अपनी समंदर किनारे की शानदार तस्वीरें शेयर कर रही हैं, हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी जो तस्वीरें शेयर की हैं, वो सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहीं हैं,

टीवी की दुनिया की सुपरस्टार और लोगों के दिलों पर दशकों से राज कर रहीं श्वेता तिवारी इन दिनों अपनी हॉट और ग्लैमरस फोटोज को लेकर जबरदस्त चर्चा में हैं। हाल ही में मॉरीशस वेकेशन से लौटीं श्वेता अब लगातार सोशल मीडिया पर अपनी समंदर किनारे की शानदार तस्वीरें शेयर कर रही हैं, जिन्हें देखकर फैंस की धड़कनें तेज हो गई हैं।

हाल ही में श्वेता ने बीच पर ब्रालेट और डेनिम शॉर्ट्स में फोटोशूट कराया। उनकी फिटनेस, ग्लोइंग स्किन और बेफिक्र मस्ती को देखकर कोई यकीन नहीं कर सकता कि वो 44 साल की हैं। फैंस यहां तक कह रहे हैं, कि श्वेता अपनी बेटी पलक तिवारी को भी स्टाइल में पीछे छोड़ रही हैं।

इस ट्रिप के दौरान श्वेता के कई लुक्स वायरल हुए हैं, कभी कलरफुल बिकिनी में तो कभी स्कर्ट-टॉप में, लेकिन उनका ब्रालेट और हाई-वेस्ट डेनिम शॉर्ट्स वाला लुक तो फैंस को खूब पसंद आ रहा है। इस लुक में उनका टोन्ड फिगर, फ्लॉन्टेड लेग्स और हैप्पी वाइब्स ने फैंस को दीवाना बना दिया है।

इस स्टाइलिश अवतार में श्वेता ने मिनिमल मेकअप के साथ काला चश्मा, गोल्डन ईयररिंग्स और काले धागे वाला ब्रैसलेट पहना है, वहीं लाइट जूलरी और खुले लहराते बालों ने उनके लुक को और भी शानदार बना दिया है।

श्वेता की लेटेस्ट फोटोज पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। कोई उन्हें, 25 साल की लड़की कह रहा है, तो कोई उनकी क्यूटनेस पर टैक्स लगाने की बात कर रहा है। एक यूजर ने तो सीधा लिख दिया, श्वेता तिवारी, मेरा पहला प्यार हो तुम!

संस्कारी बहू से स्टाइल क्वीन तक का सफर तय कर चुकीं श्वेता तिवारी आज भी हर उम्र के लोगों की फेवरेट हैं, और ये तस्वीरें देखकर तो बस एक ही बात निकलती है। उम्र सिर्फ एक नंबर है, असली बात है स्टाइल और कॉन्फिडेंस।

बतादें, श्वेता तिवारी को बड़ी पहचान एकता कपूर के टीवी शो कसौटी जिंदगी की से मिली थी। इस सीरियल में श्वेता ने प्रेरणा का किरदार निभाया था। इस रोल से श्वेता ने हर घर में प्रेरणा के नाम से ऐसी पहचान बनाई, कि आज भी लोग उन्हें उसी नाम से पुकारते हैं।

हालांकि, श्वेता ने कलीरे से टीवी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने सलमान खान के शो बिग बॉस सीजन 4 में पार्टिसिपेट भी किया था, साथ ही में वो उस सीजन की विनर भी रहीं थीं।

विजय देवरकोंडा स्टारर किंगडम की मिली नई रिलीज डेट से उठा पदा, नया प्रोमो भी जारी

राउडी स्टार विजय देवरकोंडा की आगामी हाई ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर किंगडम, गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित है। फिल्म की रिलीज की तारीख कई मौकों पर विभिन्न कारणों से स्थगित हो गई और आज निर्माताओं ने एक नया प्रोमो जारी किया और नई रिलीज की तारीख की घोषणा की।

वे संदेश लेकर आए एक आदमी। क्रोध से भरा दिल। एक ऐसी दुनिया जिसने बहुत आगे धकेल दिया। अब नरसंहार का समय है। यह फिल्म 31 जुलाई 2025 को प्रतिष्ठित तरीके से रिलीज़ होगी।

वीडियो में, विजय देवरकोंडा ने कई खूबियाँ दिखाईं और कई रंगों में दिखाई दिए, जिसमें सभी ने तीव्र एक्शन दृश्यों के साथ रोमांचकारी अभिनय किया। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है।

विजय देवरकोंडा, भाग्यश्री बोरसे के साथ सीतारा एंटरटेनमेंट और फॉर्च्यून फोर सिनेमा के बैनर तले नागा वामसी और साई सौजन्या द्वारा निर्मित फिल्म में शानदार तरीके से रोमांस कर रहे हैं।

विजय देवरकोंडा इस फिल्म से अपनी सारी उम्मीदें लगा रहे हैं क्योंकि उनकी पिछली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में नाकाम रही थीं।

द वेदाज स्पीक को होस्ट करेंगी रुखसार रहमान, कहा-मुझे ब्रह्मांड के रहस्यों में गहरी दिलचस्पी

अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस रुखसार रहमान अब एक नए किरदार में नजर आएंगी। वह जल्द ही एक नया चैट शो द वेदाज स्पीक को होस्ट करेंगी।

रुखसार ने इस टॉक शो को करने के लिए हामी भरने की वजह बताई। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा से कुदरत के चमत्कारों में दिलचस्पी रही है, जैसे कि ब्रह्मांड, ज्योतिष, आध्यात्म, और पुराणों की कहानियां आदि। इस वजह से उन्होंने इस शो को होस्ट करना स्वीकार किया।

एक्ट्रेस ने कहा, मुझे हमेशा ब्रह्मांड, ज्योतिष, आध्यात्म, पुराणों और प्रकृति के चमत्कारों में ज्यादा रुचि रही है। ब्रह्मांड में जो रहस्य छिपे हैं, वे मुझे बेहद आकर्षक लगते हैं। ये रहस्य हमारी जिंदगी पर भी असर डालते हैं।

रुखसार के लिए द वेदाज स्पीक शो से जुड़ना उनके अपने विश्वासों का एक स्वाभाविक हिस्सा जैसा है। उन्होंने कहा,

मुझे हमेशा से प्रकृति की अद्भुत चीजों में गहरी दिलचस्पी रही है। ये चीजें ब्रह्मांड के छिपे हुए राज बताती हैं। इसलिए जब इस शो का हिस्सा बनने का मौका मिला, तो मुझे लगा कि यह काम मेरे दिल के बहुत करीब है और मैं खुशी-खुशी इसके लिए तैयार हो गई। मैं इस शो का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं।

भेजा फ्राई 2 की एक्ट्रेस ने बताया कि द वेदाज स्पीक बाकी आध्यात्मिक चैट शोज से बिलकुल अलग है। उन्होंने कहा कि यह शो सिर्फ बातें करने वाला नहीं है, बल्कि यह एक गहरी और अर्थपूर्ण यात्रा है। इसमें लोगों की मदद की जाएगी कि वह अपने अंदर झांकें, खुद को समझें और अपनी असली पहचान से जुड़ें। यह लोगों के अंदर बदलाव लाने की कोशिश करेगा।

रुखसार ने कहा, यह चैट शो कई मायनों में टीवी या ऑनलाइन पर प्रसारित हो रहे शो से काफी हटकर है।

एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो रुखसार कई फिल्मों और टीवी शोज में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने गॉड तुस्सी ग्रेट हो, सरकार, भेजा फ्राई 2, पीके, उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक, और 83 जैसी फिल्मों में काम किया है। वह कुछ तो लोग कहेंगे, बालवीर, ड्रीम गर्ल, और मरियम खान – रिपोर्टिंग लाइव जैसे पॉपुलर टीवी शोज का भी हिस्सा रही हैं।

रुखसार अब जल्द ही राजकुमार संतोषी की आने वाली फिल्म लाहौर 1947 में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सनी देओल, प्रीति जिंटा, शबाना आजमी, शिल्पा शेट्टी और अली फजल जैसे बड़े कलाकार भी हैं।

यह फिल्म आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस आमिर खान प्रोडक्शन्स के तहत बन रही है।

इस फिल्म के जरिए प्रीति जिंटा करीब सात साल बाद इंडस्ट्री में वापसी कर रही हैं।

लाहौर 1947 के अलावा, रुखसार के पास उत्तर दा पुत्तर है। इसमें वह अनु कपूर के साथ नजर आएंगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com